संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 246
पृष्ठ 8
रविवार
26 मई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ओएस्टर मशरूम के फायदे

विचार- चुनाव आयोग के सामने चुनौती

खेल- केकेआर और एसआरएच के ...

शरिया कानून का हिमायती है इंडिया गठबंधन : योगी

● कांग्रेस अगर सत्ता में आ गई तो तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से शुरू करा देगी : सीएम

बलिया, एजेंसी। इंडिया गठबंधन को शरीया कानून का पक्षधर बताते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस अगर सत्ता में आ गई तो तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से शुरू करा देगी। मनियर इंटर कॉलेज ग्राउंड में सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशी रविन्द्र कुशवाहा के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र साफ साफ कहता है कि वह भारत में पर्सनल लॉ को लागू करेगा। इसका मतलब कि देश में शरिया कानून की इजाजत मिल जाएगी। इस तालिबानी कानून के चलते बेटियों को स्कूल जाने से वंचित कर दिया जाएगा और महिलाओं को बुर्के में घर में ही दुबकना पड़ेगा। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया है, जिसके बाद महिलाओं को संसद में उचित भागीदारी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार को लेकर उत्साह और उमंग है। चार जून के परिणाम 'अबकी बार 400 पार' के संकल्प को पुख्ता करेंगे। इस चार सौ पार के स्वर को सुनकर सपा और कांग्रेस को चक्कर आने लगता है। वो चारो खाने चित हो जाते हैं। पूरे देश में जनता एक ही स्वर से कह रही है कि जो राम को लाएंगे हम उनको लाएंगे। उन्होंने कहा " हमने बदलते हुए भारत देखा है। आपका वोट जब कमल पर चिह्न पर जाता है तो केंद्र में मोदी जी को और राज्य में मुझे ताकत मिलती है। आज भारत का सम्मान बढ़ा है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हुआ है। जब केंद्र में कांग्रेस में और राज्य में सपा की सरकार थी तो रोज बम विस्फोट होते थे। देश का कोई कोना नहीं छूटा था जहां बम विस्फोट नहीं होता था। तब ये लोग सीमापार आतंकवाद का बहाना बनाते थे। वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में आतंकवाद से निपटने में कोताही बरती जाती थी। आज तो जोर से पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि नया भारत विकास की गाथा लिख रहा है। देश में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। वहीं पाकिस्तान की आबादी 23 करोड़ है, जो भूखों मर रही है। ऐसे में जो लोग पाकिस्तान की तरफदारी करते हैं उन्हें वहीं जाकर भीख मांगना चाहिए। योगी ने कहा कि 4 जून के बाद देश के 3 करोड़ गरीबों को एक एक मकान उपलब्ध कराने का काम भाजपा सरकार करेगी। बताया कि 500 साल की प्रतीक्षा को समाप्त करते हुए मोदी जी ने भव्य श्रीराम मंदिर में प्रभु रामलला को विराजमान कर दिया है। सपा और कांग्रेस तो रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं, आतंकवादियों के पैरोकार हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग सत्ता पाने के लिए झूठ का सहारा लेते हैं। कहते हैं कि भाजपा संविधान बदल देगी जबकि इनका घोषणा पत्र कहता है कि सत्ता में आने के बाद ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को बांट देंगे, पर्सनल लॉ लागू करेंगे। एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया है। हम आधी आबादी को सम्मान दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ तीन तलाक की कुप्रथा को कांग्रेस फिर से लागू करना चाहती है। यही नहीं ये कहते हैं कि सत्ता में आए तो अल्पसंख्यकों को उनकी रुचि के हिसाब से खाने की आजादी देंगे। इसका मतलब ये लोग गोकशी की छूट देना चाहते हैं। रामजन्म भूमि का जो पुण्य आपके साथ जुड़ा है उस पुण्य को गोकशी कराने वाले कांग्रेस और सपा को वोट देकर पाप के भागीदार न बने। योगी ने कहा कि हम एक तरफ राममंदिर बनाते हैं तो आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय भी बनाते हैं। मगर, सपा के लोग सिर्फ वोट बैंक को खुश करने के लिए महाराज सुहेलदेव का नाम तक नहीं लेते, क्योंकि महाराज सुहेलदेव ने बहराइच में सालार मसूद को मार गिराया था। इस अवसर पर विधायक केतकी सिंह, लोकसभा संयोजक विनोद शंकर दुबे, गिरीश चंद्र तिवारी, राजधारी सिंह, भगवान पाठक, धनंजय कन्नौजिया, शिवशंकर चौहान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

04 जून को देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित होगा : पीएम

● इंडी वाले ईवीएम को लेकर गालियां देने लगे तो मतलब साफ है कि राजग की सफलता का एग्जिट पोल आ गया : मोदी

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि इंडी गठबंधन वाले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर गालियां देने लगें तो मतलब साफ है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सफलता का एग्जिट पोल आ गया। श्री मोदी ने शनिवार को पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी रामकृपाल यादव के पक्ष में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे ही इंडिया गठबंधन के नेताओं ने ईवीएम को लेकर गालियां देनी शुरू की तो मतलब साफ हो गया कि राजग की सफलता का एग्जिट पोल आ गया है। उन्होंने कहा कि 04 जून को देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित होगा और इसका श्रेय भाजपा कार्यकर्ताओं को जाता है, जिन्होंने पार्टी की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने दावा किया कि देश के हर कोने से लोगों की आवाज और विश्वास एक बार फिर मोदी की सरकार बनाने के पक्ष में है। प्रधानमंत्री ने रैली में उमड़ी भारी भीड़ से 04 जून के उत्सव के लिए मनेर के प्रसिद्ध लड्डू तैयार रखने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि लोग इस शक्तिशाली मिठाई को खाकर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव या तो मोदी जैसी कड़ी मेहनत करने वाले नेता को चुनने का है, जो 2047 तक आत्मनिर्भर आधुनिक और सुरक्षित भारत के लिए 24 घंटे काम कर रहा है या फिर इंडिया गठबंधन के निष्क्रिय नेताओं को चुनना है, जिनमें से कुछ जेल में आराम कर रहे हैं या कुछ जमानत पर छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। उनका एकमात्र काम मोदी को गाली देना और अपने वोट बैंक को खुश करना है। श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एलईडी बल्ब के युग में वह लालटेन के साथ चल रहा है, जो केवल एक विशेष घर को रोशन करने में सक्षम है। उसने 30 वर्षों तक केवल एक ही घर में रोशनी की जबकि अन्य घरों को अंधेरे में रहने को मजबूर किया । उन्होंने सिर्फ अपने परिवार को ही बढ़ावा देने के लिए राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की आलोचना करते हुए कहा कि यादवों के नाम पर उन्होंने केवल अपने परिवार के सदस्यों का विकास किया और अन्य यादवों की प्रगति में उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है।

'चरम पर बेरोजगारी और महंगाई, इस बारे में एक शब्द नहीं बोलते नरेंद्र मोदी': प्रियंका

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने बेरोजगारी और महंगाई को लेकर प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। प्रियंका ने कहा कि आज बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़ी समस्या है, लेकिन नरेंद्र मोदी इस बारे में एक शब्द नहीं बोलते। इसलिए अब समय आ गया है कि हम च्ड मोदी को बेरोजगारी और महंगाई का मतलब समझाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्याशी कहते हैं कि '400 पार' आने पर संविधान बदल देंगे और आरक्षण छीन लेंगे। वहीं, कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन आपसे आपके मद्दों की बात करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम आपको बताते हैं कि महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ क्या किया जाएगा। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हम क्या कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कुशीनगर में 10 में 6 चीनी मिलें बंद हो गई। जहां व्यापार, रोजगार और लोगों के लिए सुविधाएं हैं, उन्हें बंद कराया गया है। पीएम मोदी ने सिर्फ अपने खरबपति मित्रों के लिए सरकार चलाई है। उनके 16 लाख करोड़ रुपये माफ कर दिए। इसलिए आप एक ऐसी सरकार लाइए, जो आपके लिए काम करके दिखाए।

मोदी को बाहर कर कांग्रेस को जिताना है, देश को तानाशाही से बचाना है : खडगे

नयी दिल्ली/शिमला, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए आज कहा कि वह तानाशाह की तरह काम करते हैं और देश की जनता को उनकी तानाशाही से बचना है तो इंडिया गठबंधन को जिताकर उन्हें सत्ता से दूर रखना है। श्री खडगे ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा इंडिया गठबंधन जनता की अधिकारों की सुरक्षा की लड़ाई लड़ रहा है। श्री मोदी तानाशाही तरीके से शासन कर रहे हैं और उनको सबक सिखाना जरूरी है। श्री मोदी को इस चुनाव में सत्ता से दूर नहीं किया गया तो देश में तानाशाही आ जाएगी। उन्होंने कहा इस चुनाव में इंडिया गठबंधन जीतने वाला है और विपक्षी दलों के गठबंधन की जीत में किसी तरह का कोई भी शक नहीं है। श्री खड़गे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वह चीन से डरते हैं और कुछ नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने कहा ''हिंदुस्तान में जवाहरलाल नेहरू जी और इंदिरा गांधी जी जैसे प्रधानमंत्री हुए हैं। जहां एक तरफ इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे वहीं चीन के भारत की जमीन पर कब्जा करने के बाद भी श्री नरेंद्र मोदी चुप हैं। देश की जनता इन्हें सबक सिखाने वाली है।'' श्री मोदी पर देश की सीमाओं को ही नहीं बल्कि देश की सेना को भी कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा ''पहले सेना में स्थायी नौकरी मिलती थी, पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलती थी लेकिन श्री मोदी ने 'अग्निवीर' योजना लाकर सब कुछ खत्म कर दिया है। कांग्रेस संविधान बचाने और युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए लड़ रही है इसलिए एक जून को हाथ के चिन्ह वाले बटन को दबाना है और भारी मतों से कांग्रेस को जितना है।'' श्री खडगे ने कहा ''साल 1951 में हिमाचल प्रदेश के लोगों को सबसे पहले वोट डालने का अधिकार मिला था।

सोनिया, राहुल और प्रियंका ने किया मतदान

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को मतदान किया और देशवासियों से नफरत तथा झूठ की राजनीति खत्म करने के लिए इंडिया समूह को वोट देने की अपील की। श्री गांधी ने वोट डालने के बाद मतदान करने का निशान दिखाते हुए अपनी माँ के साथ सेल्फी ली और देशवासियों से मतदान करने की अपील करते हुए कहा, ''मां और मैंने लोकतंत्र के इस महापर्व में वोट डाल कर अपना योगदान दिया।

बिहार में साफ हो जाएंगे लालू-राहुल, गिरिराज सिंह का तंज

● 4 जून को पटकनी खाकर किसी मस्जिद में पड़े रहेंगे बाप-बेटा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को लेकर देश में सियासी दंगल जारी है। बिहार में भी जबरदस्त तरीके से सियासत हो रही है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जबरदस्त तरीके से कांग्रेस और राजद पर हमला किया है। इसके अलावा उन्होंने इंडिया गठबंधन पर भी निशाना चाहता है। भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार और देश में मोदी लहर है। इस लहर में बिहार में 'लालू-राहुल' सब साफ हो जाएंगे। इसके साथ ही विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 4 तारीख को बाप-बेटा पटकनी खाकर किसी मस्जिद में पड़े रहेंगे। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन औवेसी के बिहार दौरे पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि वह ऐसे नेता हैं जिनका भाई कहता है कि वह 15 मिनट में हिंदुओं को मिटा देंगे। वह ऐसे नेता हैं जो राष्ट्रगान के दौरान कभी मौजूद नहीं रहते बिहार में उनका विरोध होना चाहिए। इससे पहले उन्होंने एक बयान में कहा था कि समय आ गया है कि मुसलमानों को दिए गए आरक्षण पर दोबारा विचार किया जाए। उन्हें दिया गया आरक्षण हिंदुओं पर हमला है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि अगर सभी हिंदू एकजुट नहीं हुए और मुस्लिम आरक्षण के खिलाफ नहीं लड़े तो आने वाले दिनों में भारत पाकिस्तान बन जाएगा।

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है और हम उसे लेकर रहेंगे : अमित शाह

हमीरपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके)भारत का हिस्सा है और ''हम उसे लेकर रहेंगे।'' उन्होंने पड़ोसी देश के पास परमाणु बम होने संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। शाह ने हमीरपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के समर्थन में ऊना जिले के अम्ब में एक रैली में कहा, ''पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है, हमारा रहेगा और हम इसे लेकर रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के पहले पांच चरणों में 310 सीटें जीत ली हैं और छठे तथा आखिरी चरणों के चुनाव में ''400 पार'' का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 40 सीटों तक सीमित रहेंगे। शाह ने रैली में लोगों से यह पूछकर कांग्रेस पर निशाना साधा कि अगर वह सत्ता में आती है तो प्रधानमंत्री कौन होगा। उन्होंने राज्य में भाजपा की सरकार बनाने के लिए छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में भाजपा को विजयी बनाने और '400-पार' का लक्ष्य हासिल करने में मदद करने की अपील की।

आरओबी का निर्माण न होने पर ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार, भाजपा प्रत्याशी को बैरंग लौटाया

प्रयागराज। मतदान बहिष्कार की सूचना पर मतदाताओं को मनाने के लिए मांडा इलाके के उमापुर कला गांव स्थित पोलिंग बूथ 176 पर तहसीलदार मेजा प्रभात पांडेय पहुंचे। वहीं आरओबी निर्माण की मांग को लेकर मतदान बहिष्कार पर अड़े गांव के 989 मतदाता मतदान करने को तैयार नहीं हैं। बीते दो दिन पहले उमापुर कलां बूथ संख्या 176 पर आरओबी की मांग को लेकर 989 मतदाता मतदान बहिष्कार की घोषणा कर चुके हैं। शनिवार सुबह सात बजे से 11 बजे तक पोलिंग बूथ पर एक भी मतदान नहीं हुआ है। मतदान केंद्र पर किसी भी प्रत्यशी के पोलिंग एजेंट तक मौजूद नहीं हैं। तहसीलदार मेजा प्रभात पांडेय मतदाताओं को समझाने में जुटे रहे, लेकिन बात नहीं बनी। इस दौरान पूर्व प्रधान गिरजा शंकर पांडेय, इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह,एलआईयू से शैलेश त्रिपाठी आदि रहे।

दो दिन पहले की थी बहिष्कार की घोषणा : 23 मई को ब्लॉक क्षेत्र के उमापुर कलां गांव में रेलवे ओवर ब्रिज की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पीएस परिसर में बैठक कर मतदान बहिष्कार की घोषणा की थी। मतदान बहिष्कार की सूचना पर स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया था। ब्लॉक क्षेत्र के उमापुर कलां, उमापुर खुर्द, टिकरी यादव बस्ती के ग्रामीण बीते आठ वर्ष से दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग स्थित उमापुर कलां गांव के सामने आरओबी निर्माण की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने रेलवे लाइन के समीप तीन बार विरोध प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

तत्कालीन ग्राम प्रधान रहे गिरजाशंकर पांडेय की अगुआई में लामबंद हुए ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन के साथ ही पीएम, सीएम, रेल मंत्री, सहित रेलवे अफसरों को पत्र भेजकर आरओबी निर्माण की मांग की थी। बावजूद इसके ग्रामीणों की मांग को अनसुना कर दिया गया। जिससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। सन 2011 की जनगणना के मुताबिक उमापुर कलां व उमापुर खुर्द गांव की जनसख्या 1076 रही। वर्तमान में यह आंकड़ा 1442 के आसपास है और दोनों गांव में करीब 989 मतदाता है।

भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को बैरंग लौटाया

मेजा इलाके के उमापुर कला के ग्रामीणों ने ओवरब्रिज की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर दिया है। तहसीलदार, एसडीएम और पुलिस अधिकारियों की कोशिशें नाकाम हो गईं। भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी भी ग्रामीणों को मनाने के लिए पहुंचे लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें भी बैरंग लौटा दिया। कुछ देर में कांग्रेस प्रत्याशी उज्ज्वल रमण और डीएम नवनीत चहल के आने की सूचना है।

मतदाताओं को मनाने पहुचीं मेजा एसडीएम व एसीपी की कोशिशें नाकाम मतदान बहिष्कार की सूचना पर मतदाताओं को मनाने के लिए उमापुर कला गांव स्थित पोलिंग बूथ 176 पर एसडीएम मेजा जगजीत कौर मिश्रा व एसीपी रवि कुमार गुप्ता, बीडीओ मांडा अमित मिश्र भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अफसर ग्रामीण को मनाने में जुटे रहे, लेकिन मतदाता समस्या निस्तारण के लिए जिलाधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़े है। मांडा के उमापुर गांव में आरओबी निर्माण की मांग को लेकर मतदान बहिष्कार पर अड़े गांव के 989 मतदाता मतदान करने को तैयार नहीं हैं। बीते दो दिन पहले उमापुर कलां बूथ संख्या 176 के ग्रामीण आरओबी निर्माण की मांग को लेकर मतदान बहिष्कार की घोषणा कर चुके हैं। शनिवार सुबह सात बजे से साढ़े 12 बजे तक पोलिंग बूथ पर एक भी मतदान नहीं हुआ हैं। अफसर मतदाताओं को समझाने में जुटे रहे, लेकिन बात नहीं बनी। मतदाताओं की कहना है कि जिलाधिकारी मौके पर आकर समस्या निस्तारण का लिखित आश्वासन दें। जिसके बाद मतदाता मतदान करेंगे। इस दौरान प्रधान राम किशुन निषाद, इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह,एलआईयू से शैलेश त्रिपाठी, गुड्डू दुबे आदि रहे।

मेड ने अफसर की पत्नी के दो लाख उड़ाए

गोरखपुर के रहने वाले उपखंड अधिकारी ने दर्ज कराया केस, ससुर ने दिए थे रुपए

प्रयागराज। घर में झाड़ू–पोछा करने वाली मेड ने मालकिन के पर्स दो लाख रुपए उड़ाए और मोबाइल बंद कर लापता हो गई। जार्जटाउन थाने में बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी हर्ष

गुप्ता ने मेड खुशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के बाद नौकरानी का मोबाइल नंबर बंद है। सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही है।

जानिये क्या है पूरा मामला.... : गोरखपुर के कैंपियरगंज के रहने वाले हर्ष गुप्ता बिजली विभाग में उपखंड अधिकारी नैनी के पद पर कार्यरत हैं। वह जार्जटाउन में पन्नालाल रोड स्थित पुष्प विला में परिवार संग रहते हैं। उन्होंने जार्जटाउन थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी पत्नी के बैग से रुपए चोरी हो गए। यह रुपए पत्नी के पिता उसे उपहार में देते आ रहे हैं। बैग में लगभग दो लाख रुपए थे। हर्ष गुप्ता का कहना है कि नौकरानी खुशी ने ही उनके घर से नकदी गायब की है। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों से घर में घरेलू कार्य के दौरान वह ताक झांक करती रहती थी। एकाएक नौकरानी गायब हो गई। उसका मोबाइल भी बंद हो गया। पत्नी ने अपना पर्स चेक किया तो दो लाख रुपए गायब थे। पुलिस खुशी नामक नौकरानी के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस ने नौकरानी की आईडी भी मांगी है।

इलाहाबाद और फूलपुर लोकसभा में वोटिंग

डिप्टी सीएम केशव ने वोट डाला, नंदी बोले– विपक्ष को 4 जून के बाद मातम मनाना पड़ेगा

प्रयागराज। प्रयागराज की दोनों लोकसभा सीटें इलाहाबाद और फूलपुर में सुबह 7 बजे से वोटिंग चल रही है। शाम को 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मतदान किया। उन्होंने कहा– वोट डालना लोकतंत्र के महत्वपूर्ण पर्व पर हमारा अधिकार भी है। हमारा कर्त्तव्य भी है। मैं फूलपुर लोकसभा का मतदाता भी हूं। इसलिए मैं अपने परिवार के साथ मतदान करने आया हूं। मैं सबसे अपील करता हूं कि सभी मतदान करने जरूर जाएं। इलाहाबाद में दोपहर 3 बजे तक 41.04: और फूलपुर में 39.46: वोटिंग हुई। प्रयागराज के एसएस खन्ना गर्ल्स कॉलेज बूथ पर 8 बजे तक म्टड चालू नहीं हो पाई। मतदान नहीं शुरू पाया है। दोनों सीटों पर कुल 29 प्रत्याशी मैदान में हैं।

नंदी बोले–विपक्ष को 4 जून के बाद मातम मनाना पड़ेगा

कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने परिवार के साथ वोट डाला। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा– विपक्ष को 4 जून के बाद मातम मानना पड़ेगा, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में तीसरी बार एनडीए सरकार बनने जा रही है। उनका दावा है कि जनता इस बार जाति–धर्म से परे हटकर सिर्फ और सिर्फ विकास के मुद्दे पर मतदान कर रही है। इस चुनाव में विपक्ष कहीं नजर नहीं आ रहा है।

करिए मतदान, फिर फ्री खाइए रसमलाई : प्रयागराज में राजापुर स्थित एक मिष्ठान भंडार हीरा हलवाई में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए अनूठी पहल की गई है। यहां पर दो दिन पहले ही प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर ने घोषणा कर दी थी कि जो लोग मतदान करके यहां आएंगे, उन्हें हम रसमलाई फ्री में खिलाएंगे। इसके बाद आज जब मतदान करने के बाद सुबह लोग इस दुकान पर पहुंचे तो दुकान बंद थी। वहां पहुंचे लोगों ने इसका विरोध करना शुरू किया। करीब 2 घंटे तक यहां विरोध करते रहे और दुकान खोलने की मांग करते रहे। इसके बाद लोग वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। लोगों के आक्रोश को देखते हुए दुकान संचालक ने दुकान खुलवाई और फिर लोगों को रसमलाई देना शुरू किया। जिन लोगों को रसमलाई यहां दी जा रही है, उनकी उंगली में स्याही देखी जा रही है। रसमलाई देने के बाद उनके हाथ पर दुकान का एक मुहर भी लगाई जा रही है।

फूलपुर में 20 लाख मतदाता

इसी तरह फूलपुर संसदीय क्षेत्र में कुल 20,67043 मतदाता हैं। इसमें 1122020 पुरुष, 944827 महिला व 196 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी नवनीत सिंह चहल ने बताया कि सकुशल मतदान कराया जाना है, इसके लिए पूरी टीम लगी हुई है। 21 हजार से ज्यादा मतदानकार्मिक लगाए गए हैं। कुल 386 संवदेनशील बूथ हैं जहां विशेष फोकस है। पांच मॉडल बूथ व प्रत्येक विधानसभा में एक–एक पिंक बूथ भी बनाए गए हैं।

सदर कानूनगो आगरा की हत्या में आरोपी भाई बरी

25 साल पहले हुई थी हत्या, ट्रायल कोर्ट ने दी थी आजीवन कारावास की सजा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के सदर कानूनगो की 25 साल पहले हुई हत्या के आरोपी को सजा से बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अघभियोजन पक्ष संदेह से परे आरोपी को दोषी ठहराने में नाकाम रहा। लिहाज अपीलकर्ता को संदेह का लाभ मिलेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति घशिवशंकर प्रसाद की खंडपीठ ने राजवीर सिंह की अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि संपूर्ण साक्ष्यों से यह नहीं कहा जा सकता है कि घटना अघभियुक्त ने की है। वह भी तब जब घर में दो अन्य पुरुष मौजूद हों।

क्या है पूरा मामला : प्राथमिकी के अनुसार सदर कानूनगो नेम सिंह पांच अगस्त 1999 को रात आठ बजे लौटे थे। खाना खाने के बाद बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण वह बैठका के बाहर चबूतरे पर अकेले सो गये। सुबह करीब पांच बजे पत्नी जमीरा देवी घर से बाहर निकली तो देखा कि उसकी खाट के नीचे खून बह रहा है। चारपाई पर गर्दन और चेहरे पर किसी तेज धार वाले हथियार से वार कर कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। मामले की प्राथमिकी आगरा के डौकी थाने में धारा 302 के साथ आईपीसी की विघ्घभिन्न धाराओं में अज्ञात के घखिलाफ दर्ज हुई। अपीलार्थी राजवीर सिंह का नाम जांच के दौरान सामने आया। पुलिस ने मृतक की पत्नी और बेटी के बयान के बाद अपीलार्थी भाई राजवीर सिंह कोघ गिरफ्तार कर लिया। ट्रायल कोर्ट ने जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपीलार्थी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद तथ्यों और परिघस्थितियों में मेल न पाते हुए आरोपी को बरी कर दिया।

हंडिया में छठे चरण की वोटिंग शुरू

पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की लगी लाइन, एसडीएम मतदान केंद्रों का लिए जायजा

हंडिया। प्रयागराज के हंडिया में लोकसभा चुनाव के छठे चरण

का मतदान कड़ी प्रशासनिक व्यवस्था के बीच सुबह 7 बजे से शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुई स चुनाव को सकुशल संपन्न करने के लिए उप जिलाधिकारी प्रेम नारायण तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बनाए गए सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया स इसके साथ ही ड्यूटी पर लगे सभी पुलिसकर्मियों को निष्पक्षता के साथ चुनाव करने की सख्त हिदायत दी है । लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न करने के लिए तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बनाए गए सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से ही भारी संख्या में मतदाता अपने–अपने बूथ पर पहुंचकर उत्सुकता पूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए अपने–अपने प्रत्याशियों के भविष्य का पिटारा बंद कर कर रहे है।

मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंध

मतदान स्थल से 500 मीटर की दूरी में फोन, कार्डलेस, फोन वायरलेस आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रशासन द्वारा पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है स किसी भी प्रकार की कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मतदान केंद्र के अंदर किसी के पास पाए जाने पर प्रशासन द्वारा ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में कड़ी धूप, पारा 44 डिग्री सेल्सियस पार होगा

प्रयागराज। प्रयागराज में आज (25 मई) से गर्मी और बढ़ेगी। धूप और भीषण गर्मी के साथ साथ उमस भी होगी जिससे लोगों का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। आज से नौतपा शुरू होने से लोग गर्मी से बेहाल दिखेंगे। तापमान में भी वृद्धि होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, हीटवेव (लू) का असर सीधे शरीर पर पड़ेगा। चिकित्सक भी सलाह दे रहे हैं कि घर से तभी निकलें जब बहुत जरूरी हो। आज मतदान होने के कारण बड़ी संख्या में लोग बाहर निकलेंगे। लेकिन, प्रयास करें कि घर से बाहर निकलने पर छाता या गमछे से पूरा शरीर कवर कर लें, ताकि धूप से बचा सके। शुक्रवार को भी अधिकतम

तापमाम 42–43 डिग्री सेल्सियस रहा, आज इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस वृद्धि होगी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व मौसम विज्ञानी शैलेंद्र राय बताते हैं कि आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवात मध्य भारत में आने वाला है। इस बार बारिश भी खूब होने की संभावना है।

शरीर में न होने पाए पानी की कमी

मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल के फिजिशियन डॉ. केके मिश्रा बताते हैं कि इस गर्मी और तेज धूप में पानी की कमी शरीर में न होने पाए। बीच–बीच में पानी जरूर पीएं, जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें। जिलाधिकारी नवनीत कुमार चहल की ओर से गर्मी और लू से बचाव से संबंधित सुझाव भी जारी किए हैं। उनकी ओर से अपील की गई है कि भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू से अपना बचाव करें। गर्म हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्यूमीनियम की पन्नी, गत्ते से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अंदर आने से रोका जा सके। खिड़कियों और दरवाजों पर जहां से गर्म हवाएं आती हैं वहां काले परदे लगाकर रखना चाहिए। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें।

प्रयागराज में केंद्रीय सुरक्षा बल का पहरा

छावनी बने कई इलाके, 22000 जवानों ने संभाली कमान, सीमाएं सील

प्रयागराज। प्रयागराज में कल 25 मई को मतदान होना है। सुरक्षा के मद्देनजर रात में ही

शहर और देहात के इलाके छावनी में तब्दील कर दिए गए। शहर से लेकर देहात क्षेत्रों तक सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीएसएफ, आईटीबीपी, आरएएफ की तैनाती की गई है। करीब 22000 सुरक्षाकर्मी कमान संभाले हैं। इनके साथ पुलस अधिकारियो की टीमें लगी हैं। प्रयागराज से दूसरे जिलों, राज्यों को टच करने वाली सीमाओं को सील कर दिया गया है।

थानों के सामने चेक पोस्ट बनाकर चेकिंग की जा रही है। वाहनों खासकर चार पहिया गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है। शहरी इलाके में प्रयागराज की फूलपुर और इलाहबाद सीट में दस विधानसभा क्षेत्र हैं। दो विधानसभा सीट हंडिया और प्रतापपुर भदोही लोकसभा में आती हैं। जिले में 386 संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। कुल 71 स्थानों पर चेक प्वाइंट बनाये गए हैं जो अंतरराज्यीय व अंतर जनपदीय सीमा पर स्थित हैं। सूचनाओं के संकलन के लिए करीब एलआईयू के 60 दरोगाओं को लगाया गया है। इसके साथ ही पुलिस की 15 क्विक रिस्पांस टीमें रात से ही घूमने लगी हैं। पुलिस लाइन में बने कमांड सेंटर और आईट्रिपलसी के कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है।

मतदान से पहले फ्लैग मार्च

मतदान के मद्देनजर पैरामिलिट्री पुलिस कई इलाकों में फ्लैग मार्च करती रही। शहर के साथ गांवों में पुलिस अधिकारियों ने घूमकर लोगों से बात की और शांतिपूर्ण मतदान की अपील की। लोगों को बताया गया हर कोई मतदान करने जाए, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। कहा गया कि यदि किसी को कोई परेशानी हो तो वह सीधे अफसरों से संपर्क कर सकता है। पुलिस टीमों के साथ पैरामिलिट्री के जवान और पुलिसकर्मी सायरन जाती गाड़ियों के पीछे पैदल मार्च करते सुरक्षा का भरोसा जगाते रहे।

इन चेक पोस्टों पर देर रात तक तलाशी : शहर और देहता के 21 स्थानों पर नाकेबंदी कर देर रात तक तलाशी अभियान चलाया गया। इन प्वाइंट पर पुलिस की विशेष टीमें तैनात हैं। झूंसी, नैनी, मऊआइमा, फूलपुर, हंडिया, चाकघाट, घूरपुर, कोरांव, सोरांव, एयरपोर्ट थाना, बमरौली, धूमनगंज आदि इलाकों में चेक पोस्ट और बैरियर से घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू करा दी गई है। शहर के भीतर भी संवेदनशील स्थानों पर कुल 43 चेकपोस्ट बनाए गए हैं। चेक पोस्टों पर विशेष पिकेट तैनात हुई है।

48 हजार लोग हुए हैं पाबंद

माफिया, अपराधी, वांछित, उपद्रवी तत्व चुनाव में हंगामा, बवाल न करें इसे लेकर ज्यादा करसत की गई है। प्रयागराज पुलिस ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 48000 लोगों को पाबंद किया है। इन सबके खिलाफ शांतिभंग की आशंका के तहत कार्रवाई हुई है। शांतिभंग की कार्रवाई में हंगामा, बवाल, उपद्रव करने वालों पर तो हुई ही है साथ ही राजनीतिक दलों से जुड़े लोग, पार्षद, पूर्व पार्षद, प्रधान, पूर्व प्रधान, संगठन चलाने वाले, कमेटियों का संचालन करने वाले, मुतवल्ली आदि भी शामिल हैं जिन पर कई कई केस पहले से हैं। साथ ही यह लोग पिछले चुनावों में कहीं न कहीं विवादों में रहे।

प्रयागराज में ऑपरेशन के बाद प्रसूता की मौत

मेजा। प्रयागराज में ऑपरेशन के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि उसे जबरन शहर रेफर कर दिया गया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजन शव लेकर अस्पताल पहुंचे। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। अस्पताल के स्टाफ ने मृतका के पति की पिटाई भी की। घटना मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर बाजार की है। बिगहनी निवासी संदीप भारती की पत्नी काजल (23) को प्रसव पीड़ा हुई तो 23 मई को घर के लोग रामनगर चिरैया मोड़ बाजार में संचालित शीतला हास्पिटल में भर्ती कराए। जहां आपरेशन के बाद 24 मई को प्रसूता ने बच्चे को जन्म दिया। ऑपरेशन में लापरवाही के कारण कुछ ही घंटों में प्रसूता काजल की हालत गंभीर हो गई तो अस्पताल संचालक ने रेफर कर दिया। परिवार के लोग अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में प्रसूता ने दम तोड़ दिया।

केकेआर और एसआरएच के बीच फाइनल की भिड़ंत

रविवार, 26 मई को आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और केकेआर के बीच खेला जाएगा। एक तरफ क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी तरफ आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिगढने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद।

एक तरफ क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी तरफ आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिगढने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में इस सत्र का सरताज बनने के लियेआखिरी तिलिस्म पर दोनों बेहतरीन टीमों के बीच रविवार को खिताबी मुकाबले में दर्शकों के लिये रोमांचक क्रिकेट की गारंटी रहेगी। आम तौर पर खेल में मुकाबले कप्तानों और उनकी टीमों के बीच होते हैं लेकिन यह आईपीएल फाइनल दीगर है। इसमें एक तरफ 'कोरबो, लोड़बो, जीतबो' की सोच रखने वाले गंभीर का दिमाग है तो दूसरी तरफ एक ऐसा आस्ट्रेलियाई कप्तान है जिसने टीम को विजेताओं वाले तेवर दिये हैं। केकेआर के कप्तान के रूप में दूसरा आईपीएल फाइनल खेलने जा रहे श्रेयस अय्यर इस महामुकाबले में सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं। एक दशक पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कमिंस छह महीने के भीतर वनडे विश्व कप, विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप और एशेज जीतने वाले कप्तान बनेंगे। अब अगर वह सनराइजर्स को आईपीएल खिताब भी दिला देते हैं तो यह सोने पे सुहागा होगा। सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में टीम की जीत के बाद कहा था ,'' वह काफी व्यवहारिक , विनम्र और प्रभावी कप्तान है। उसके पास अलग अलग परिस्थितियों में प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ सारी जानकारियां और आंकड़े रहते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' वह टीम बैठकों में समय बर्बाद नहीं करता। हमारी टीम बैठक आज 35 सेकंड की थी लेकिन उसके पास सारी सूचनायें थी।'' दोनों टीमों की टक्कर पहले क्वालीफायर में हुई थी जिसमें केकेआर ने सनराजइर्स को उम्दा गेंदबाजी

के दम पर हराया था। केकेआर ने पिछली बार चेन्नई में 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेला था जिसमें बतौर कप्तान गंभीर ने खिताबी जीत दर्ज की थी। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने फिर 2014 में खिताब जीता और अब वह बतौर मेंटोर भी इसी टीम को खिताब दिलाने की दहलीज पर हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के सबसे प्रबल दावेदार भी है और आईपीएल खिताब से उनका दावा और पुख्ता होगा। टीमों की तुलना करें तो केकेआर के पास सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, श्रेयस और वेंकटेश अय्यर जैसे मैच विनर के साथ नीतिश और हर्षित राणा और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। दूसरी तरफ सनराइजर्स के लिये घरेलू क्रिकेटर अभिषेक शर्मा और नीतिश रेड्डी के अलावा भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और जयदेव उनादकट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। रॉयल्स को कठिन पिच पर 36 रन से हराने के बाद सनराइजर्स का मनोबल बढा है लेकिन चेपॉक का विकेट वरूण (20 विकेट) और नारायण (16 विकेट) के अनुकूल होगा जो इस सत्र में शानदार फॉर्म में हैं। सनराइजर्स के स्पिनरों अभिषेक और शाहबाज अहमद ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और हेनरिच क्लासेन के अलावा अभिषेक, राहुल त्रिपाठी और रेड्डी को रन बनाने होंगे। केकेआर के युवा तेज गेंदबाज हर्षित और वैभव अरोड़ा को हेड के बल्ले को खामोश रखना होगा जो अभी तक 567 रन बना चुके हैं। इस आईपीएल फाइनल में टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी नहीं है। केकेआर के रिंकू सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं। इससे साबित होता है कि आईपीएल वे ही टीमें जीतती हैं जिनके खिलाड़ियों के पास कोई 'आरेंज' या 'परपल' कैप नहीं होती बल्कि गंभीर और कमिंस जैसे मार्गदर्शकों से उन्हें विजेताओं वाले तेवर मिलते हैं।

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजांफर।

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन , एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स , राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल।

5 सेकेंड की टीम मीटिंग से पलटा पूरा गेम

एसआरएच कोच ने बताई पैट कमिंस की खासियत

आईपीएल 2024 फाइनल मुकाबले में महज कुछ ही घंटे शेष हैं। लेकिन उससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने सबको अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स को दूसरे क्वालीफायर में हराकर हैदराबाद टीम ने फाइनल का टिकट पक्का किया है। जहां वो 26 मई रविवार को केकेआर के खिलाफ फाइनल के लिए भिड़ेगी। लेकिन उससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के कोच साइमन हेलमोट ने कमिंस की तारीफ करते हुए उनकी कप्तानी की खासियत बताई है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद कोच साइमन हेलमोट ने कहा कि, पैट कमिंस बहुत प्रैक्टिकल हैं बहुत शांत हैं। अपने खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के बारे में बहुत सोचते हैं। वह डाटा देखते हैं और अपनी जरूरत की चीजें लेते हैं। वह टीम मीटिंग में समय बर्बाद नहीं करते हैं। मुझे लगता है कि राजस्थान के खिलाफ मैच की हमारी मीटिंग महज 35 सेकेंड चली होगी। उन्होंने आगे कहा कि, कमिंस छोटी मीटिंग में भी जो चीजें बोलते हैं उसमें काफी जानकारी होती है। वह कोच के साथ अलग मीटिंग करते हैं। हम आम तौर पर बड़ी टीम मीटिंग नहीं करते हैं। जरूरत पड़ने पर जरूर ऐसा होता है ताकी हम हमेशा तैयार रहे। हेलमोट ने जीत का श्रेय पैट कमिंस को दिया। उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि बड़ा श्रेय कप्तान को जाता है। उन्हें जब लगा कि स्पिन का आजमाने की जरूरत है तब उन्होंने ऐसा किया। उस समय क्रीज पर दो दाएं हाथ के बल्लेबाज थे। इसलिए उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर को उतारा अभिषेक ने काम पूरा करके दिया। हैदराबाद कोच ने ये भी बताया कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और कीवी कोच डेनियाल विटोरी के बीच भी अच्छा तालमेल है। यही वजह है कि सनराइजर्स की टीम सफलता हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि पैट कमिंस और डेनियाल विटोरी के बीच अच्छे रिश्ते हैं। वह नए आइडिया पर काम करने के लिए उत्साहित रहते हैं।

टीम इंडिया के हेड कोच बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं गौतम गंभीर, BCCI के सामने रखी ये शर्त

पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर के आवेदन करने की अटकलें सामने आ रही हैं। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक गौतम गंभीर ने अभी तक पद के लिए आवदेन नहीं किया है और 27 मई को वह आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले, 26 मई को उनकी टीम केकेआर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2024 का खिताबी मुकाबला खेलना है।

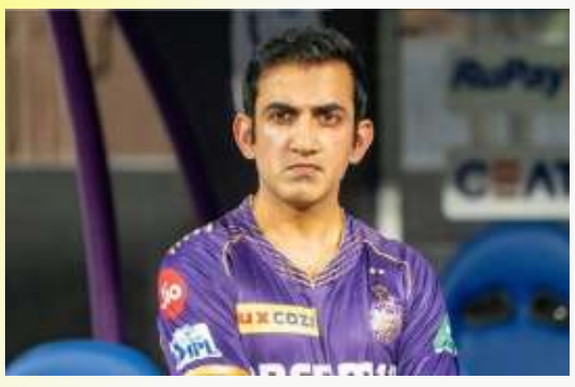

भारतीय टीम के मुख्य कोच के लिए पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर के आवेदन करने की अटकलें सामने आ रही हैं। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक गौतम गंभीर ने अभी तक पद के लिए आवदेन नहीं किया है और 27 मई को वह आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले, 26 मई को उनकी टीम केकेआर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2024 का खिताबी मुकाबला खेलना है। हाल ही की रिपोर्ट्स के अनुसार, गौतम गंभीर भारतीय कोच के लिए तभी आवदेन करेंगे, अगर बीसीसीआई उन्हें कोच बनाने का कोई संकेत देता है। एक सूत्र ने बताया कि,

फाइनल के अगले दिन तक कोच पद के लिए आवेदन करना है और ये कोई बड़ा काम नहीं है। अभी तक उन्होंने आवेदन नहीं किया है, लेकिन अगर चीजें सही रहीं और बीसीसीआई ये संकेत देता है कि उनके आवेदन करने पर उन्हें कोच नियुक्त किया जाएगा, तो वह 27 जून को आवेदन करेंगे। अभी इसके बारे में केकेआर के मालिक शाहरुख खान से बात नहीं हुई है। अगर वह आवेदन करेंगे तो इस बारे में उन्हें बताएंगे। वहीं दूसरी तरफ बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने विदेशी कोचों से संपर्क करने की अफवाहों पर विराम लगाया था। शाह ने बयान जारी करते हुए कहा था कि, ना तो मैंने और ना ही बीसीसीआई ने किसी ऑस्ट्रेलियाई पूर्व खिलाड़ी को हेड कोच बनने की पेशकश दी है। टीम इंडिया को अगले स्तर तक ले जाने के लिए ये अहम है कि हमारे कोच को हमारे घरेलू क्रिकेट ढांचे की जानकारी हो।

भारत में बढ़ती असमानता दूर करने के लिए अमीरों पर लगे कर

नयी दिल्ली। भारत में बढ़ती असमानता को दूर करने के लिए 10 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध संपत्ति पर दो प्रतिशत कर और 33 प्रतिशत विरासत कर लगाने की जरूरत है। अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी की अगुवाई में तैयार एक शोध–पत्र में यह सुझाव दिया गया है। इस शोध–पत्र में धन वितरण के शीर्ष पर बड़े पैमाने पर व्याप्त संकेंद्रण से निपटने और महत्वपूर्ण सामाजिक क्षेत्र में निवेश के लिए मूल्यवान राजकोषीय गुंजाइश बनाने के लिए धनाढ्य लोगों पर एक व्यापक कर पैकेज का प्रस्ताव रखा गया है। भारत में अत्यधिक असमानताओं से निपटने के लिए संपत्ति कर पैकेज के प्रस्ताव शीर्षक वाला शोध–पत्र के मुताबिक, 99.96 प्रतिशत वयस्कों को कर से अप्रभावित रखते हुए असाधारण रूप से बड़े कर राजस्व में वृद्धि की जानी चाहिए। इसमें कहा गया है, आधारभूत स्थिति में 10 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध संपत्ति पर दो प्रतिशत वार्षिक कर और 10 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर 33 प्रतिशत विरासत कर लगाने से मिलने वाला राजस्व सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2.73 प्रतिशत का बड़ा योगदान देगा।

संक्षिप्त

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वायाकॉम18–स्टार इंडिया विलय के लिए सीसीआई से मंजूरी मांगी

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वायाकॉम18 और स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआईपीएल) के विलय के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। सीसीआई ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित लेनदेन का मकसद वायाकॉम18 और एसआईपीएल के मनोरंजन व्यवसायों (कुछ अन्य चिन्हित व्यवसायों के साथ) को जोड़ना है। वायाकॉम18, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) समूह का हिस्सा है, जबकि द वॉल्ट डिज्नी कंपनी (टीडब्ल्यूडीसी) के पास एसआईपीएल का स्वामित्व है। नियामक ने कहा कि लेनदेन के बाद एसआईपीएल एक संयुक्त उद्यम (जेवी) बन जाएगी, जिसे आरआईएल, वायाकॉम18 और टीडब्ल्यूडीसी की सहायक कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। आरआईएल ने नोटिस में कहा कि प्रस्तावित लेनदेन से भारत में प्रतिस्पर्धा पर कोई उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

विस्तारित कोष सुविधा के लिए चंपेजंद के साथ बातचीत में ''महत्वपूर्ण प्रगति'' : आईएमएफ

इस्लामाबाद । आईएमएफ ने कहा कि नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ देश के वास्ते विस्तारित कोष सुविधा के लिए कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंचने को लेकर बातचीत में ''महत्वपूर्ण प्रगति'' हासिल हुई है। पाकिस्तान ने विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत छह से आठ अरब अमेरिकी डॉलर के बीच एक नया पैकेज देने के लिए औपचारिक अनुरोध किया है। यदि इसकी मंजूरी मिल गई तो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की देश को यह 24वीं मदद होगी। पाकिस्तान में आईएमएफ के मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर के नेतृत्व में आईएमएफ के एक दल ने घरेलू आर्थिक कार्यक्रम के लिए देश की योजनाओं पर चर्चा करने के वास्ते 13 मई से 23 मई के बीच इस्लामाबाद की यात्रा की। इसे आईएमएफ की विस्तारित कोष सुविधा के तहत समर्थन दिया जा सकता है। पाकिस्तान के अनुरोध पर यह आईएमएफ अधिकारियों ने यह यात्रा की। वैश्विक ऋणदाता ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सुधारों को प्राथमिकता देना बातचीत के तहत नए ऋण पैकेज के आकार से अधिक महत्वपूर्ण है। पोर्टर ने एक बयान में कहा, '' मिशन और अधिकारी आने वाले दिनों में ऑनलाइन नीतिगत चर्चा जारी रखेंगे, जिसका मकसद चर्चा को अंतिम रूप देना है। इसमें आईएमएफ और पाकिस्तान के द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय साझेदारों से अधिकारियों के सुधार प्रयासों को समर्थन देने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता भी शामिल है।

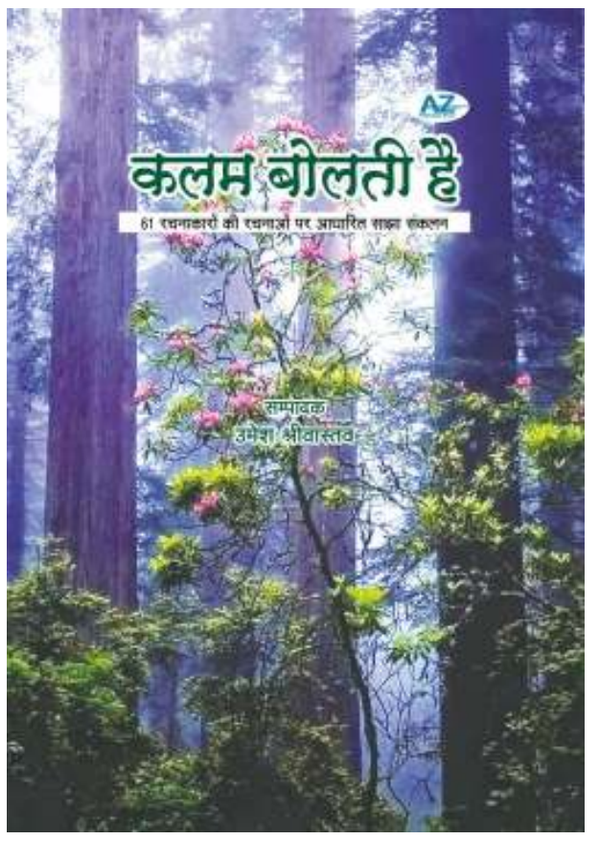

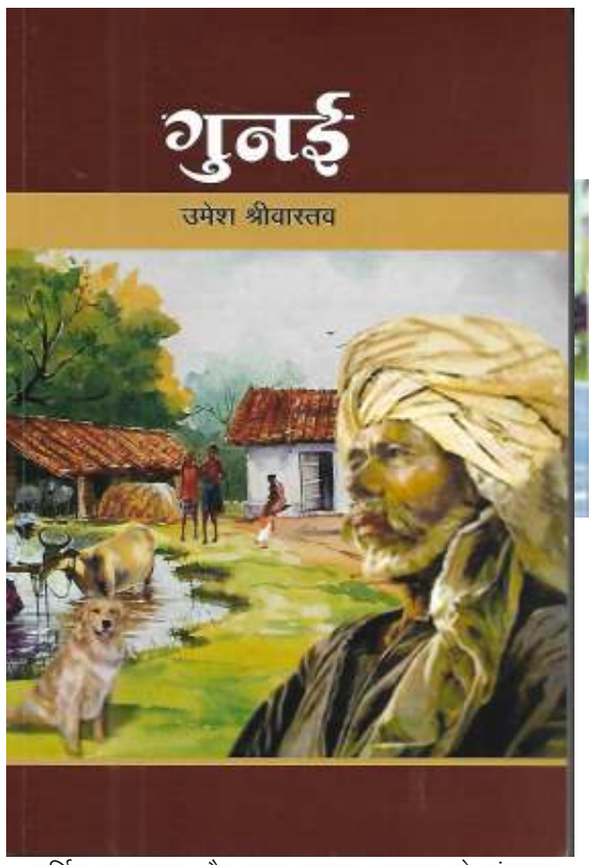

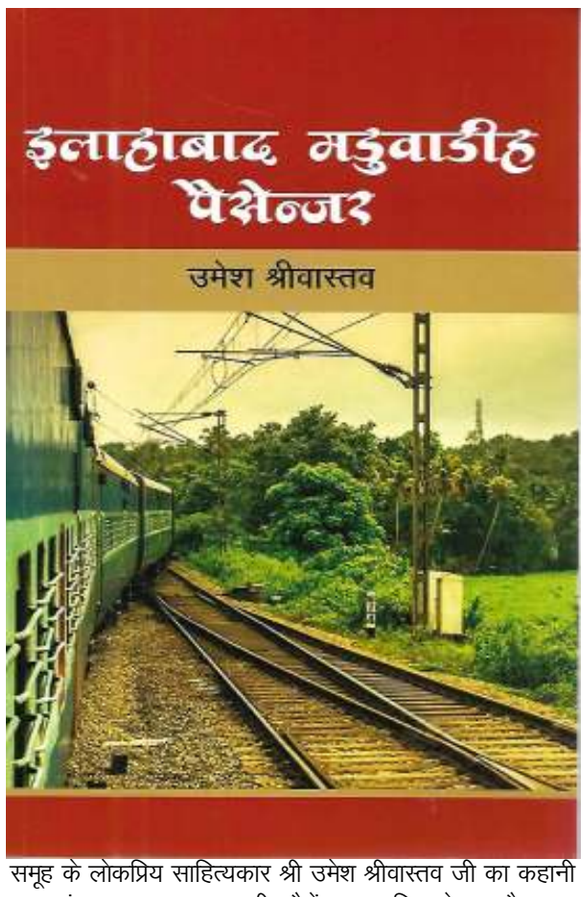

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

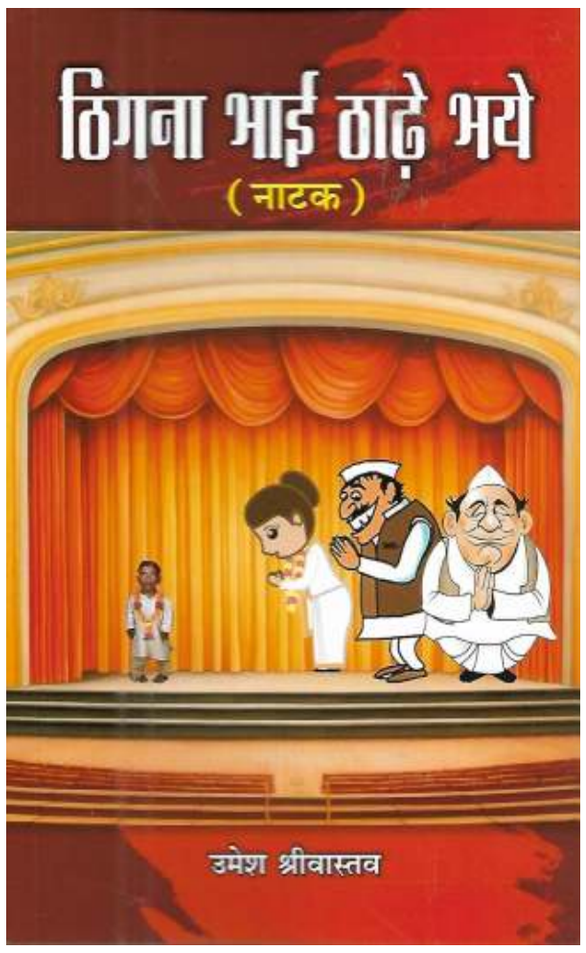

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

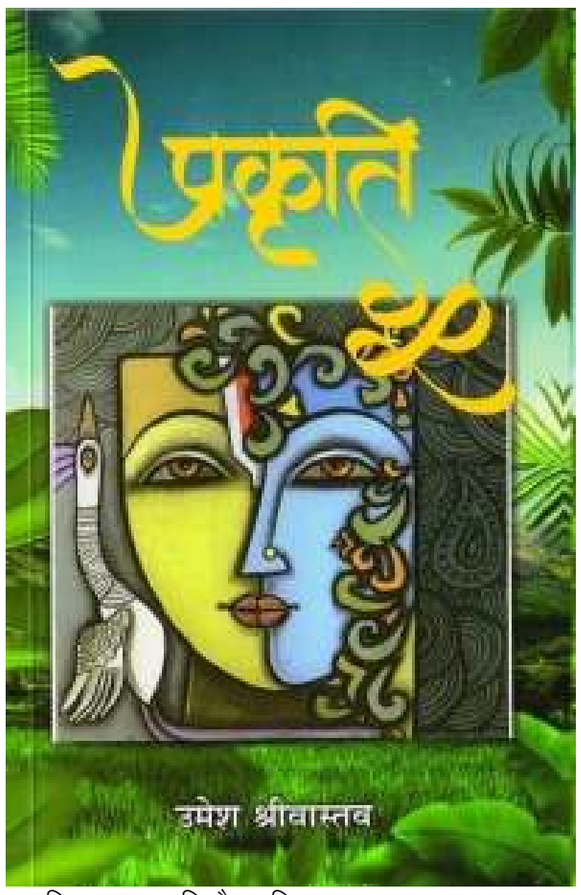

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

सम्पादकीय.....

साख पर सवाल

निश्चित रूप से भारतीय चुनाव आयोग ने पहले चुनाव से लेकर 18वीं लोकसभा के चुनाव संपन्न कराने में एक लंबा सफर तय किया है। लेकिन स्थितियां बहुत तेजी से बदली हैं। पहले चुनाव में महज 17 करोड़ मतदाता थे। अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौजूदा आम चुनाव में 97 करोड़ मतदाता हैं। इस दौरान पार्टियों की संख्या बढ़ी है, वोटर बढ़े हैं, पोलिंग बूथ बढ़े हैं, पार्टियों के बीच लड़ाइयां तल्ख हुई हैं और चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें भी तेज हुई हैं। पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन से लेकर टीएन शेषन जैसे सख्त चुनाव आयुक्तों तक ने आयोग को नई प्रतिष्ठा दी है। लेकिन इस बार 543 संसदीय सीटों के लिये सात चरणों में हो रहे मतदान में कई प्रसंग ऐसे घटे कि लोगों ने चुनाव आयोग की साख पर उंगली उठाई। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। जिसमें चुनाव आयोग पर मतदान संबंधी अंतिम आंकड़े देर से जारी करने तथा प्रतिशत वृद्धि का मामला उठाया गया। एडीआर व कॉमन कॉज की ओर से दायर याचिका में बूथों पर मतों की संख्या संबंधी फॉर्म 17–सी की स्कैन कापी आयोग की वेबसाइट पर डालने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में आयोग ने इस मांग को अव्यावहारिक बताया है। साथ ही कहा कि चुनाव की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया के बाद पूरी होती है, ऐसा करने से व्यवधान उत्पन्न होगा। इससे पहले विपक्ष सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी लगाता रहा है। जबकि आयोग की दलील रही है कि इन्फोर्समेंट एजेंसी उसके अधीन नहीं होती। विपक्ष आयोग को तटस्थ भाव से कार्रवाई करने को कहता रहा है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की। आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया। प्रधानमंत्री को नोटिस दिए जाने के बजाय भाजपा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया। ऐसे ही संविधान पर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष को नसीहत दी गई। दरअसल, विपक्ष मांग करता रहा है कि मतदान के बाद वोटों का प्रतिशत जारी करने के बजाय डाले गए वोटों की संख्या जारी की जानी चाहिए। दरअसल, विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रवैया अपनाता रहा है। जिसके चलते विपक्ष ने आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष अंपायर की भूमिका में नजर आना चाहिए। विपक्ष बांसवाड़ा रैली में प्रधानमंत्री के भाषण पर सख्त कार्रवाई की मांग करता रहा है। इसी तरह आरक्षण, संपत्ति जब्त करने आदि कई विवादित बयान सामने आए। तल्ख टिप्पणियां कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भी की गई थी। विपक्ष कहता है कि इन टिप्पणियों पर आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि, कई पूर्व चुनाव आयुक्त मानते हैं कि यह पहला मौका नहीं जब विपक्ष आयोग पर सवाल उठा रहा है। जैसे–जैसे राजनीतिक दलों में तल्खी बढ़ती है, बीच में आयोग को शामिल कर लिया जाता है। वहीं कुछ गैर सरकारी संगठनों ने मुहिम चलायी कि 'चुनाव आयुक्त दृढ़ता दिखाएं या इस्तीफा दें।' उनका मानना रहा है कि आचार संहिता के उल्लंघन के दौरान आयोग सक्रिय नहीं हुआ। कुछ पूर्व चुनाव आयुक्त कहते हैं कि मतदान के बाद दूर–दराज के इलाके से मतदान के अंतिम आंकड़े आने में वक्त लगता है। इसलिए अंतिम आंकड़े अगले दिन जारी किये जाते हैं। वहीं चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष के एक सवाल के जवाब में कहा कि इस बाबत समस्त सूचना वोटर टर्नआउट ऐप पर मौजूद है। आयोग का तर्क है कि वोटर टर्न आउट हर केंद्र पर वैधानिक फॉर्म 17–सी पर पीठासीन अधिकारी तैयार करते हैं व उम्मीदवार के मतदान एजेंट उस पर हस्ताक्षर करते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद चुनाव आयोग को ध्यान देना चाहिए कि क्यों सार्वजनिक विमर्श में उसकी छवि को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आयोग को इसका समाधान भी निकालना चाहिए। वहीं विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं कि आयोग को अधिकार मिलना चाहिए कि वह आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले उम्मीदवार को दंडित कर सके।

चुनाव आयोग के सामने चुनौती

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश कहे जाने वाले भारत में इस समय हो रहे चुनावों में लोकतंत्र की साख ही खतरे में पड़ गई है। यह संभवतः पहली बार है जब आम चुनावों में जनता से जुड़े सारे मुद्दों के अलावा सबसे अहम मुद्दा संविधान की रक्षा का बन गया है। कांग्रेस नेता तो अब अपने प्रचार में बाकायदा संविधान की एक छोटी प्रति साथ ले जाने लगे हैं, जिसे लोगों को दिखाकर वे याद दिलाते हैं कि इस संविधान के कारण ही हमारे नागरिक अधिकार और लोकतंत्र सुरक्षित हैं। मगर भाजपा इस संविधान को ही बदलने का इरादा रखती है। प्रधानमंत्री मोदी इस आरोप को कई बार गलत ठहरा चुके हैं। लेकिन इस बार सात चरणों में हो रहे चुनावों में सत्तारुढ़ दल के साथ–साथ संवैधानिक संस्थाएं जिस तरह से काम कर रही हैं, उससे संविधान और जनाधिकार दोनों को लेकर चिंताएं उपजना स्वाभाविक है। चुनावों के ठीक पहले इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इसके आंकड़े उपलब्ध कराए। लेकिन बैंक ने इन आंकड़ों को सार्वजनिक करने में आनाकानी की। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को सख्ती दिखानी पड़ी और तब जाकर इस मामले की असलियत लोगों के सामने आई। इसी तरह कोविड काल में बनाए गए पीएम केयर्स फंड की जानकारी भी सार्वजनिक करने की मांग बार–बार उठती रही है। इस पर सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई, तो बताया गया कि यह सूचना के अधिकार के अंतर्गत नहीं आता है। जिस कोष में लाखों–करोड़ों रूपयों का दान लिया गया, उसका कोई लेखा–जोखा सार्वजनिक नहीं किया जा रहा, यह भी आश्चर्य की बात है। इसी प्रकार ईवीएम को लेकर भी कई सवाल उठे और वीवीपैट के मिलान की याचिका जब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई, तब चुनाव आयोग ने ईवीएम पर कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी जानकारी इससे पहले जनता को नहीं थी। और अब ऐसा ही एक और प्रकरण सामने आया है, जिसमें चुनाव आयोग ने जानकारी देने से इंकार किया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) और कॉमन कॉज नाम की दो संस्थाओं ने अदालत में एक आवेदन देकर इस बार के चुनावों में मतदान के प्रतिशत के आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। लेकिन चुनाव आयोग ने इससे इंकार करते हुए कहा है कि फॉर्म 17सी के आधार पर प्रमाणित मतदान प्रतिशत डेटा साझा करने के लिए चुनाव आयोग कानूनन बाध्य नहीं है। आयोग ने अदालत में दिए अपने हलफनामे में कहा है कि वेबसाइट पर मतदान की संख्या बताने वाले फॉर्म 17सी को अपलोड करने से गड़बड़ियां हो सकती हैं। इमेज के साथ छेड़छाड़ की संभावना है। गौरतलब है कि फार्म 17 सी वह महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो हर मतदान केंद्र पर महत्वपूर्ण विवरण दर्ज करता है। इनमें इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की पहचान संख्या, मतदान केंद्र को सौंपे गए पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या और रजिस्टर (फॉर्म 17 ए) के अनुसार वास्तव में मतदान करने वाले मतदाताओं की कुल संख्या शामिल होती है। इसके अतिरिक्त, यह उन मतदाताओं की संख्या को नोट करता है जिन्होंने रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद मतदान नहीं करना चुना या नोटा किया। यह जाहिर है कि कानून और जनता के विश्वास का हवाला देकर चुनाव आयोग हरेक बूथ पर डाले गए वोटों का आंकड़ा देने से इंकार कर रहा है, जबकि मतदान के बाद वह गिने गए वोटों का आंकड़ा बताता ही है। आयोग के इस रवैये पर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने आश्चर्य जताते हुए लिखा है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहारू फॉर्म 17 अपलोड करने का कोई कानूनी आदेश नहीं है जो मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकॉर्ड है। सचमुच चौंकाने वाला है! यदि गिने गए वोट अपलोड किए गए हैं तो डाले गए वोट क्यों नहीं अपलोड किए जा सकते? ऐसे आयोग पर हम कैसे भरोसा करें! इसी तरह आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज ने भी टिप्पणी की है कि ईसीआई भूल गया है कि हमारे लोकतंत्र में लोगों को सूचना का अधिकार है! वास्तव में चुनाव संचालन नियमों का नियम 93 लोगों को फॉर्म 17सी सहित चुनाव पत्रों का निरीक्षण करने और उनकी प्रतियां मांगने की अनुमति देता है। चुनाव आयोग के इंकार के बाद कानून के कई जानकार इस पर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल शुक्रवार को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी, तब देखना होगा कि आयोग डाले गए वोटों के आंकड़े सार्वजनिक न करने के और क्या तर्क पेश करता है।

लेकिन फिलहाल उसके इंकार से एक बार फिर लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराने की उसकी जिम्मेदारी पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। यह भी संभवतः पहली बार ही हो रहा है कि किसी चुनाव में लगातार चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सड़क से लेकर अदालत तक बार–बार सवाल उठ रहे हैं। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के जरिए ही देश में लोकतंत्र सुरक्षित रखा जा सकता है। अन्यथा चुनाव कराने की जरूरत ही नहीं है। सत्तारुढ़ भाजपा तो पहले ही अगले शासनकाल की बातें करने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से ऐलान कर दिया था कि अगली बार भी मैं ही झंडा फहराने आऊंगा और अब वे ये दावे भी कर रहे हैं कि किन–किन देशों से उन्हें अगले कार्यकाल के दौरान न्यौता भेजा जा चुका है। भाजपा नेता अगर 4 सौ पार सीटों का दावा कर रहे थे, तो उसमें भी वे जनादेश के प्रति उपेक्षा का भाव दिखा रहे थे।

राहुल को घेरने की कोशिश

प्रो. रविकान्त

अवसर की उपयोगिता के आग्रह का लाभ केवल बसपा ने ही नहीं उठाया। भाजपा ने बसपा का समर्थन करके और साझा सरकार बनाकर बहुजनों के मन में एक सॉफ्ट कॉर्नर बना लिया। जबकि कांशीराम और मायावती के निशाने पर लगातार कांग्रेस रही। कांग्रेस द्वारा बाबासाहब को भारत रत्न नहीं दिए जाने का मुद्दा बार–बार उठाया गया। इससे बहुजनों के बीच कांग्रेस की नकारात्मक पुख्ता हुई। क्या राहुल गांधी ने मान्यवर कांशीराम का अपमान किया है? यह सवाल इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि इस समय एक संक्षिप्त और एडिट वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। इसमें राहुल गांधी कांशीराम जी के बारे में टिप्पणी कर रहे हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि कांशीराम जी को, उनके पीछे खड़े दलितों की आवाज के जरिए समझने की आवश्यकता है। हिंदुत्ववादी कांशीराम और अंबेडकर को भगवान बना देंगे। लेकिन यह देखना चाहिए कि वे भगवान कैसे बने? राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि दलितों की आकांक्षाओं और संघर्षों के बिना कांशीराम कुछ भी नहीं हैं। श्कांशीराम कुछ भी नहीं हैंय, इस आखिरी वाक्य के आधार पर राहुल गांधी को ट्रोल किया जा रहा है। विशेषकर बहुजन–दलित नौजवानों के बीच यह बात प्रसारित जा रही है कि राहुल गांधी ने कांशीराम जी का अपमान किया है। हिन्दुत्ववादियों की यह पुरानी शैली है। गांधी के सामने डॉ अंबेडकर को खड़ा करके हिन्दुत्ववादियों ने सावरकर के लिए रास्ता तैयार किया। बहुजन तबका एक समय तक हिंदुत्ववादियों की इस चाल को नहीं समझ सका। इसका नतीजा यह हुआ कि गांधी और नेहरू की आलोचना करते हुए दलित बहुजन नहीं समझ पाया कि वह सावरकर और गोलवलकर के लिए राजपथ तैयार कर रहा है। वे भूल गए कि बाबा साहब ने हिंदुत्व के विचार की बहुत आलोचना की थी। हिंदू राष्ट्र के विचार को उन्होंने दलितों के लिए सबसे बड़ी आपदा बताया था। आरएसएस को पहचानते हुए ही उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में संघ मुख्यालय के करीब हिंदू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अपनाया था। दलितों के लिए यह बाबासाहब का बड़ा संदेश था। 1980–90 के दशक में मान्यवर कांशीराम ने उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक आंदोलन के जरिए बहुजन राजनीति को सत्ता तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। 1995 में पहली बार बसपा ने भाजपा के बाहरी समर्थन से सरकार बनाई। मायावती देश की पहली दलित महिला मुख्यमंत्री बनीं। फिर 1997 और 2002 में भाजपा के साथ मिलकर मायावती ने सरकार बनाई। कांशीराम के राजनीतिक विमर्श में कांग्रेस की तीखी आलोचना थी। कांग्रेस केंद्र में सत्ताधारी पार्टी थी। अगड़ी जातियों से आने वाले नेताओं का कांग्रेस में प्रभुत्व था। कांशीराम का बहुजन विमर्श जातियों के वर्चस्व के खिलाफ था। अपने समर्थकों द्वारा साहब नाम से पुकारे जाने वाले कांशीराम ने डॉ. अंबेडकर की वैचारिकी को सत्ता पाने के लक्ष्य में तब्दील कर दिया। सत्ताधारी कांग्रेस की आलोचना करने के लिए कांशीराम ने डॉ. अंबेडकर और गांधी के बीच के विमर्श का बहुजनों में प्रचार किया। पूना पैक्ट (24 सितम्बर,1932) के संबंध में गांधी को बहुजनों के बीच खलनायक बना दिया गया। इस राजनीतिक विमर्श के कारण बहुजनों में गांधी, नेहरू और कांग्रेस के प्रति गहरी वितृष्णा हो गई। मान्यवर कांशीराम के आंदोलन के समानांतर भाजपा भी अपना प्रभाव जमाने की कोशिश कर रही थी। पिछड़ों के आरक्षण के खिलाफ अगड़ों में भड़की नफरत का राजनीतिक दोहन करने के लिए भाजपा ने राम मंदिर आंदोलन शुरू किया। कांशीराम भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को एक ही निगाह से देखते थे। वे कहते थे कि एक नागनाथ है तो दूसरा सांपनाथ। लेकिन कांग्रेस के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन बहुजनों में ज्यादा गहरा था। इधर भाजपा और संघ बहुजनों की बढ़ती ताकत को देख रहे थे। कांग्रेस को कमजोर करने के लिए भाजपा ने कांशीराम का सहयोग किया। कांशीराम ने इसे एक अवसर के रूप में देखा। उनका मानना था कि बहुजनों को अवसरवादी होना चाहिए। दरअसल, उन्हें कभी आसानी से अवसर नहीं मिलते। इसलिए उन्हें कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। इस बात को भी डॉ अंबेडकर के विचार से जोड़ दिया गया। बाबा साहब कांग्रेस के वर्चस्व वाली संविधान सभा में गए। कांग्रेस सरकार में कानून मंत्री बने। लेकिन हिंदू कोड बिल और ओबीसी आरक्षण जैसे मुद्दों पर इस्तीफा देकर बाहर आ गए। बाबा साहब ने कहा था, मैं दलितों के हितों के संरक्षण के लिए संविधान सभा में आया हूं। इसका अर्थ था कि समाज हित में अपने प्रतिद्वंद्वी के प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। कांशीराम ने ऐसे ही अवसर का इस्तेमाल करते हुए लेकिन अपनी शर्तों पर भाजपा के सहयोग से तीन बार सरकार बनाई। 1997 और 2002 में सरकार बनाने के क्रमशरू 6 माह और एक साल बाद भाजपा को झटका देकर मायावती ने गठबंधन तोड़ दिया। लेकिन अवसर के इस्तेमाल की इस थ्योरी का बहुजन समाज ने सरलीकरण किया और निजी हित में बहुतेरे नेताओं ने इसका लाभ उठाया। बाबा साहब और मान्यवर का यह कहना कतई नहीं था कि विचारों से समझौता करके और समाज को ताक पर रखकर अवसर का निजी लाभ उठाया जाए। अवसर की उपयोगिता के आग्रह का लाभ केवल बसपा ने ही नहीं उठाया। भाजपा ने बसपा का समर्थन करके और साझा सरकार बनाकर बहुजनों के मन में एक सॉफ्ट कॉर्नर बना लिया। जबकि कांशीराम और मायावती के निशाने पर लगातार कांग्रेस रही। कांग्रेस द्वारा बाबासाहब को भारत रत्न नहीं दिए जाने का मुद्दा बार–बार उठाया गया। इससे बहुजनों के बीच कांग्रेस की नकारात्मक पुख्ता हुई। अप्रत्यक्ष तौर पर इसका फायदा भाजपा को मिला। बसपा जैसे ही कमजोर हुई, उसके तमाम नेता और कुछ हद तक समाज भी अवसर की तलाश में भाजपा के साथ चला गया।

बसपा के समर्थकों के दिमाग के कोने में कहीं आज भी कांग्रेस के खिलाफ एक गुस्सा हैय जो कई बार उन्हें अपने समय की चुनौतियों और ज्यादा गंभीर खतरों को भी नहीं देखने देता। यही कारण है कि राहुल गांधी के बयान को बिना सोचे समझे क्रिटिसाइज किया जा रहा है। जिस तरह आरएसएस ने गांधी के सामने अंबेडकर को लाकर असली विमर्श को मोड़ दिया था और पीछे रहकर राजनीतिक फायदा उठाया था, उसी तरह भाजपा आज राहुल गांधी को कांशीराम और बहुजनों के सामने खड़ा करके हिंदुत्व के खिलाफ लड़ाई को गुमराह करना चाहती है। राहुल गांधी भाजपा और आरएसएस के निशाने पर पहले से ही रहे हैं। गांधी परिवार की छवि खराब करके अपने लिए राजनीतिक दायरा पैदा करना, हमेशा से उनका मकसद रहा है। हिन्दुत्ववादी इसमें बहुत हद तक कामयाब भी हुए हैं। लेकिन राहुल गांधी को टारगेट करने की उनकी शैली का विश्लेषण करना जरूरी है। जब तक राहुल गांधी पारंपरिक कांग्रेसी शैली में बात करते रहे, तब तक उन्हें मंदबुद्धि और पप्पू जैसे शब्दों के जरिए अपमानित किया जाता रहा। उनका मजाक उड़ाया जाता रहा। लेकिन जैसे ही राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को तरजीह दी और आदिवासी, दलित, पिछड़ों के अधिकारों की बात की तो उन्हें टुकड़े–टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल का समर्थक और सहयोगी बताया जाने लगा। राहुल गांधी ने समझ लिया है कि सावरकर और गोलवलकर के हिंदुत्व का मुकाबला सामाजिक न्याय और अंबेडकरवादी मूल्यों के जरिए ही हो सकता है। भारत जोड़ो यात्रा में खुलकर यह बात दिखने लगी। राहुल गांधी ने आदिवासियों को इस धरती का पहला मालिक बताया। उनके जल, जंगल और जमीन के अधिकारों का मुद्दा उठाया। जातिगत जनगणना, आरक्षण के दायरे को बढ़ाना, निजी क्षेत्र और उच्च न्यायपालिका में आरक्षण बहाल करने जैसे मुद्दों के जरिए राहुल गांधी ने अपनी सामाजिक राजनीतिक प्रतिबद्धता स्पष्ट कर दी। इसी क्रम में वे लगातार दलित बहुजन बुद्धिजीवियों से विमर्श कर रहे हैं। इसी विमर्श का एक प्रसंग है जिसमें राहुल गांधी कहते हैं कि हमारा ध्येय समाज के किसी नायक को भगवान बनाकर पूजना नहीं है बल्कि समाज के संघर्ष और उसकी आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति देना है। उस नायक के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है। उन्हीं के शब्दों में, श्बीजेपी लोगों की पोजिशनिंग भगवान की तरह करती है, हमारी पोजिशनिंग यह है कि ये भगवान कैसे बना, उसे भगवान किसने बनाया।य उन लोगों की मदद करना, उनको आगे बढ़ाना, उनकी बात करना कांग्रेस की पोजिशनिंग है।

केजरीवाल के खिलाफ मुकदमों के नतीजे पर टिका आप का राजनीतिक भविष्य

कल्याणी शंकर

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले एक दशक में कई बाधाओं को पार किया है। फिर भी, उनका अटूट लचीलापन प्रेरणा का प्रतीक रहा है। वह और उनकी पार्टी इस वक्त शराब नीति मामले में सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। चुनौतियों के बावजूद केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा उनकी अदम्य कर्मठता का प्रमाण है। 49 दिनों के संक्षिप्त कार्यकाल और 2014 में दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें हारने के बाद, उन्होंने 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में 70 में से 67 सीटें हासिल करके उल्लेखनीय वापसी की। पिछले महीने दिल्ली शराब नीति मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी, जिसमें भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप शामिल हैं, ने आम आदमी पार्टी के भविष्य पर अनिश्चितता की छाया डाल दी है। क्या यह पार्टी की राह का अंत होगा, या क्या वे इस तूफान का सामना कर सकते हैं और अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रख सकते हैं? शीर्ष अदालत द्वारा केजरीवाल को जमानत देने का फैसला, जिससे उन्हें मौजूदा चुनावों में अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने की अनुमति मिल सकी, केजरीवाल के समर्थकों के लिए आशा की किरण है। यह सकारात्मक विकास केजरीवाल की सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है, खासकर अगर उन्हें जनता की सहानुभूति मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथित उत्पीड़न और अपने सहयोगियों की कैद को उजागर करते हुए केजरीवाल खुद को दमित व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं। केजरीवाल और उनकी पार्टी जनता को यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि जेल में उनके साथ कैसा दुर्व्यवहार किया गया और कैसे उन्हें इंसुलिन और मधुमेह की दवा देने से इनकार कर दिया गया। नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी(आप) की स्थापना के बाद से केजरीवाल की गिरफ्तारी पार्टी के लिए सबसे बड़ा संकट है। पार्टी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें आंतरिक संघर्ष, भ्रष्टाचार के आरोप और आम आदमी की पार्टी के रूप में अपनी छवि बनाये रखने की आवश्यकता शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के दिनों से केजरीवाल के कई सहयोगियों को हटा दिया गया है, समेत कई ऐसे आरोप हैं। केजरीवाल ने अपने इर्द–गिर्द केंद्रित एक व्यक्तित्व आधारित पार्टी की शुरुआत की है। आम आदमी पार्टी का सत्ता में आना काफी नाटकीय रहा है। इसकी शुरुआत 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से हुई थी। पार्टी कुछ ही महीनों के भीतर सत्ता में आ गई, लेकिन 48 दिनों में केजरीवाल का इस्तीफा आश्चर्यजनक नहीं था। हालांकि, अगले दो विधानसभा चुनावों में उन्होंने भारी बहुमत से जीत हासिल कर वापसी की। इन घटनाओं ने पार्टी के राजनीतिक प्रक्षेप पथ और केजरीवाल के लचीलेपन के बारे में जिज्ञासा जगा दी है। केजरीवाल हमेशा महत्वाकांक्षी रहे हैं। उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया और 2014 में बनारस में मोदी के खिलाफ भी खड़े हुए लेकिन हार गये। इस साहसिक कदम से केजरीवाल और उनकी पार्टी का रुतबा काफी बढ़ गया। हाल ही में गठित इंडिया गठबंधन, जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक गठबंधन है और जिसका उद्देश्य भाजपा के प्रभुत्व को चुनौती देना है, में आप कांग्रेस के अलावा एक से अधिक राज्यों पर शासन करने वाली एकमात्र पार्टी के रूप में खड़ी है। यह गठबंधन उनकी पार्टी के दिल्ली और पंजाब से बाहर विस्तार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। हालांकि, वर्तमान में, आप का केवल 20 निर्वाचन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव पड़ेगा। केजरीवाल का राष्ट्रीय प्रभाव उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। आप के पास वर्तमान में लोकसभा में एक और राज्य सभा में दस सीटें हैं। पार्टी ने अन्य राज्यों में अपना प्रभाव बढ़ाया है और अप्रैल 2023 में इसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया। भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी का सत्ता में आना दिलचस्प है। भाजपा या वामपंथी दलों के विपरीत इसका कोई ठोस वैचारिक रुख नहीं है। यह ए.आई.ए. डी.एम.के., डी. एम.के., समाजवादी पार्टी, बीजू जनता दल, या राष्ट्रीय जनता दल जैसी क्षेत्रीय या समाजवादी पृष्ठभूमि पर निर्भर नहीं है। इसके बजाय, इसने भ्रष्टाचार–विरोधी और मुफ्तखोरी संस्कृति के विकास का समर्थन करके शक्ति प्राप्त की है। आप अब दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के साथ लोकसभा चुनाव लड़ रही है, जबकि पंजाब में आप 13 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है। यह गठबंधन केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण पेश करता है। आम आदमी पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक इकाई नहीं है। यह कांग्रेस द्वारा छोड़े गये शून्य को भरने और हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात जैसे राजनीतिक रूप से द्विध्रुवीय राज्यों को लक्षित करने के लिए तैयार है।

मोदी ने मोदी की गारंटी का वायदा किया है, जबकि केजरीवाल ने दस सूत्री एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है। इस एजेंडे में भारतीय भूमि को चीनी कब्जे से मुक्त कराना शामिल है यदि इंडिया ब्लॉक ने केंद्र में सरकार बनाई। दिल्ली को राज्य का दर्जा दिलाना, 24ध्7 बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के वायदे केजरीवाल के राष्ट्रीय मुद्दों पर फोकस को दर्शाते हैं। दिल्ली शराब नीति मामला आम आदमी पार्टी के लिए असुविधाजनक हो गया है और भाजपा के लिए सुविधाजनक, चूंकि चुनाव चल रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यह आप के लिए सड़क का अंत है? क्या गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, संदीप पाठक, राघव चड्ढा और आतिशी जैसे दूसरे पायदान के नेता पार्टी चला सकते हैं, या केजरीवाल अपनी सामान्य किस्मत के साथ वापसी करेंगे? केजरीवाल आशावादी हैं और उम्मीद करते हैं कि भाग्य उनका साथ देगा। यह सकारात्मक दृष्टिकोण है। अब तक वह इसी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते गये हैं। अगर उनकी पार्टी मौजूदा लोकसभा चुनाव में सम्मानजनक संख्या में सीटें हासिल कर लेती है तो उनकी लोकप्रियता बढ़ जायेगी। केवल मतदाता ही इस पर निर्णय ले सकते हैं और उनका निर्णय भारतीय राजनीति में केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के भविष्य को आकार देगा।

जो जोनस की पत्नी कहलाने से थी सोफी टर्नर को नफरत

सोफी ने कहा, शजिस तरह से सब कुछ हुआ उससे मैं नाखुश हूं, खासकर जब मेरे बच्चों की बात आती है। वे इस सब में पीड़ित हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हम इसका पता लगा सकते हैं। जो हमारे बच्चों के लिए एक महान पिता है और मैं बस यही माँग सकती हूँ।

श्गेम ऑफ थ्रोन्सश स्टार सोफी टर्नर ने पिछले साल सितंबर में अपने पॉप–स्टार पति जो जोनस से तलाक लेने की घोषणा की थी। अभिनेत्री द्वारा अपनी चार साल लंबी शादी को खत्म करने की घोषणा उनके फैंस के लिए एक बड़ा झटका थी। उस समय कई रिपोर्ट में दावा दिया गया था कि अभिनेत्री एक अच्छी माँ नहीं थी और उनके पार्टी करने की वजह से जो ने उन्हें तलाक दे दिया है। इन रिपोर्ट्स के आने के बाद सोफी को सोशल मीडिया पर जमकर टारगेट किया गया था। हालाँकि, उस समय अभिनेत्री ने इस मुद्दे पर कोई बात नहीं की थी, लेकिन अब वह इन सब से निकल चुकी है। सोफी ने अब आगे आकर जो के साथ अपने तलाक के बारे में बात की है।

संसा स्टार्क की भूमिका के लिए मशहूर अभिनेत्री ने वोग यूके को एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे पर बातचीत की। सोफी ने कहा, श्जिस तरह से सब कुछ हुआ उससे मैं नाखुश हूं, खासकर जब मेरे बच्चों की बात आती है। वे इस सब में पीड़ित हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हम इसका पता लगा सकते हैं। जो हमारे बच्चों के लिए एक महान पिता है और मैं बस यही माँग सकती हूँ।श

टर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि रोमांटिक तरीके से अलग होने के बावजूद उनके और जो के बीच अच्छे रिश्ते बने हुए हैं। उन्होंने कहा, श्मेरा सपना एक बड़ा क्रिसमस मनाना है जहां मेरी बेटियों के पिता, जो का पूरा परिवार, उनके दादा–दादी वहां मौजूद हों। मुझे राजनीति की परवाह नहीं है, मैं बस यही चाहती हूं कि लड़कियां प्यार महसूस करें और हर कोई उनके लिए आगे आए।श

वोग यूके के साथ इंटरव्यू में अभिनेत्री ने ये भी बताया कि जो के साथ शादी के दौरान उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज से नफरत थी। प्रियंका चोपड़ा और डेनिएल जोनास का जिक्र करते हुए सोफी ने कहा, श्तीनों भाइयों और पत्नियों पर बहुत ध्यान था। खैर, हमें हमेशा पत्नियां कहा जाता था, और मुझे इससे नफरत थी। यह एक प्रकार का प्लस–वन एहसास था। और इसका उससे कोई लेना–देना नहीं है – किसी भी तरह से उसने मुझे ऐसा महसूस नहीं कराया – यह सिर्फ इतना था कि हमारे बारे में धारणा बैंड में समूह के रूप में थी।श

सोफी को इस बात से थी नफरत

ब्रिटिश वोग से बात करते हुए सोफी टर्नर ने कहा, श्तीनों भाइयों और उनकी पत्नियों पर काफी ध्यान दिया जाता था. हमें हमेशा उनकी पत्नियां कहा जाता था और मुझे इस बात से बेहद नफरत थी. यह प्लस वन वाली फीलिंग थीश. हालांकि सोफी ने सफाई देते हुए कहा कि उनके एक्स हसबैंड जो जोनस ने उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं करवाया. इसका उनसे कोई लेना देना नहीं है. उन्होंने किसी भी तरह मुझे ऐसा महसूस नहीं करवाया था. ये बस इतना था कि हमें (सोफी, प्रियंका और केविन की पत्नी डेनिएल जोनस) को बैंड के साथ चलने वाले ग्रुप की तरह देखा जाता था.

सोफी टर्नर अक्सर प्रियंका चोपड़ा और डेनिएल जोनस के साथ जोनस ब्रदर्स के कॉन्सर्ट में शामिल हुआ करती थीं. फैंस उन्हें जे–सिस्टर्स कहकर बुलाया करते थे. जोनस ब्रदर्स के गाने श्सकरश के म्यूजिक वीडियो में भी सोफी, प्रियंका और डेनिएल ने काम किया था.

एक्स हसबैंड की एक्स गर्लफ्रेंड ने दिया सहारा

सोफी टर्नर और जो जोनस के रास्ते सितम्बर 2023 में जुदा हो गए थे. अलग होने का ऐलान करने के बाद सोफी टर्नर को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था. एक्ट्रेस की एक वीडियो सामने आई थी, जिसमें वो पार्टी एन्जॉय करती दिखीं. सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें खराब और गैर जिम्मेदार मां बताया था. यूजर्स का कहना था कि सोफी अपनी बेटियों को अकेला छोड़कर पार्टी कर रही हैं.

इस इंटरव्यू में तलाक को लेकर बात करते हुए सोफी टर्नर ने कहा कि वो उनकी जिंदगी का काफी मुश्किल वक्त था. उस मुश्किल दौर ने जो जोनस की एक्स गर्लफ्रेंड और सिंगर टेलर स्विफ्ट सोफी के लिए श्हीरोश साबित हुईं. सोफी टर्नर ने कहा, श्टेलर मेरे लिए इस साल हीरो रही हैं. मैं उनसे ज्यादा आभारी किसी की नहीं हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे और मेरे बच्चों को अपनाया, हमें अपने घर में जगह दी और हमारा ख्याल भी रखा.श

4 साल चली जो–सोफी की शादी

सोफी टर्नर और जो जोनस के रिश्ते की शुरुआत साल 2016 में हुई थी. दोनों को एमटीवी यूरोप अवॉर्ड्स में झपे करते देखा गया था. इसके बाद जनवरी 2017 में उन्होंने अपने रिश्ते को इंस्टा ऑफिशियल कर दिया था. मई 2019 में दोनों ने लास वेगस के एक चौपल में शादी कर ली थी. इसके बाद जुलाई 2019 में दोनों ने पेरिस में रॉयल वेडिंग की. जुलाई 2020 में कपल की पहली बेटी का जन्म हुआ था. जुलाई 2022 में उन्होंने दूसरी बेटी का स्वागत किया. सितंबर 2023 में जो जोनस ने कोर्ट में सोफी से तलाक की अर्जी डाली थी. अब दोनों का तलाक हो चुका है. दोनों के बीच बेटियों की कस्टडी को लेकर लड़ाई हुई थी, जिसे अंत में सुलझा लिया गया.

“ इंटरव्यू में अभिनेत्री ने पहली बार की अपने तलाक पर बात, जानें क्या कुछ कहा

श्रीकांत के प्रमोशन पर अलाया एफ ने मिनी ड्रेस में बढ़ाई फैंस की हार्ट बीट

अलाया एफ ने मूवी प्रमोशन पर व्हाइट बॉडीकॉन मिनी ड्रेस में लूटी लाइमलाइट, देखें उनका बिंदास और...

अवनीत कौर ने बॉस लेडी लुक में चुराया फैंस दिल

अवनीत कौर बॉस लेडी लुक में गजब के पोज देती हुई नजर आ रहीं हैं, जिन पर फैंस दिल...

मौनी रॉय ने मिनी बॉडीकॉन ड्रेस में ढाया कहर

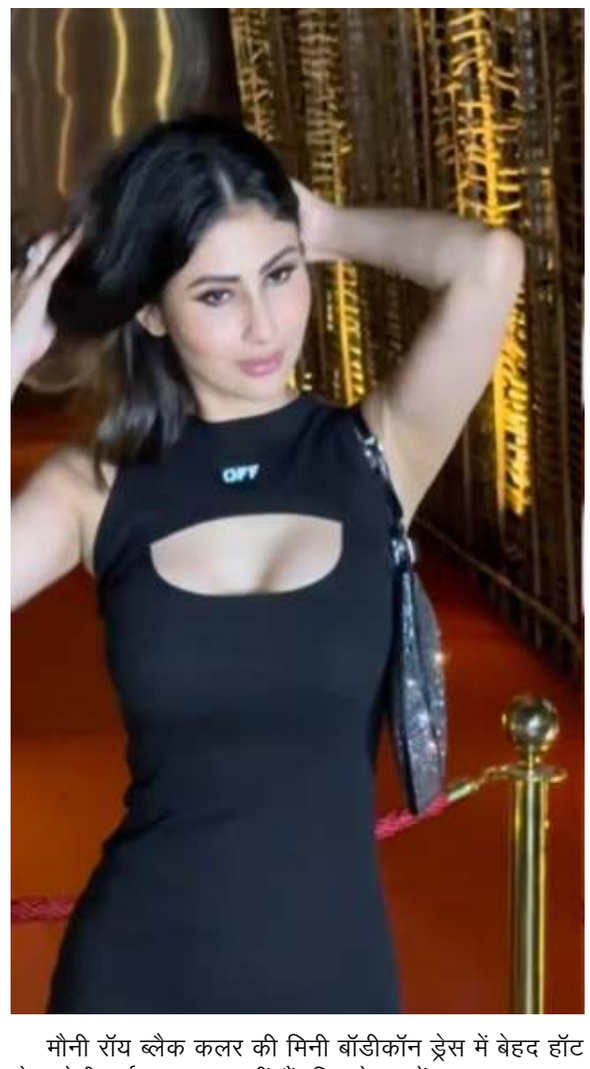

मौनी रॉय ब्लैक कलर की मिनी बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद हॉट पोज देती हुई नजर आ रहीं हैं, जिनसे नजरें हटा...

सारा ने की दादी शर्मिला की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपनी फैमिली के बारे में बात की है। दिल्ली में हुए एक इवेंट में उन्होंने अपनी दादी शर्मिला टैगोर की भी तारीफ की। सारा ने कहा कि उनके पेरेंट्स सैफ अली खान और अमृता सिंह भले ही 20 साल पहले अलग हो चुके हैं, लेकिन उनकी दादी ने पूरी लाइफ उन्हें और उनकी मां को सपोर्ट किया है। सारा ने ये भी कहा किया कि शर्मिला टैगोर उनकी मां अमृता सिंह से स्पेशल बॉन्डिंग शेयर करती हैं। दादी ने हमेशा सपोर्ट किया हैरू सारा सारा ने कहा, श्मुझे या इब्राहिम को अगर कुछ हो जाए तो मुझे मालूम है कि बड़ी अम्मा (शर्मिला टैगोर) मेरी मां अमृता सिंह को कभी अकेले नहीं छोड़ेंगी।श सारा ने आगे कहा, श्मैं भी लाइफ में कभी ऐसे फेज से गुजरी हूं जब मुझे किसी के सपोर्ट की बेहद जरूरत थी और तब बड़ी अम्मा मेरे लिए आर्मी की तरह खड़ी रहीं।

Cannes में गुलाबी परी बनीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए फ्रेंच रिवेरा में हैं। गुरुवार को अभिनेता ने प्रतिष्ठित कार्यक्रम में रेड कार्पेट पर वॉक किया। उर्वशी, जो पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल में ज्यादातर चमकीले रंग के परिधानों में शामिल हुई थीं।

उर्वशी रौतेला कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए फ्रेंच रिवेरा में हैं। गुरुवार को अभिनेता ने प्रतिष्ठित कार्यक्रम में रेड कार्पेट पर वॉक किया। उर्वशी, जो पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल में ज्यादातर चमकीले रंग के परिधानों में शामिल हुई थीं, अपनी मुख्य शैली पर कायम रहीं। अपनी ताजा उपस्थिति के लिए, उन्होंने चमकदार लाल अलंकरणों वाला एक ऑफ शॉल्गाडर गाउन चुना। तीसरे दिन, अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने फ्रेंच रिवेरा में कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में चमकदार लाल अलंकरणों से सजे शॉल्गाडर रंग के गाउन में शोभा बढ़ाई। यह लुक तब आया है जब अभिनेता ने पहले दिन रेड कार्पेट पर हॉट गुलाबी रफल्ड पोशाक में सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। तीसरे दिन, उर्वशी रौतेला ने कान्स 2024 में एक शानदार बयान दिया। उन्होंने ट्यूनीशियाई डिजाइनर, सौहिर एल गब्सी द्वारा एक चमकदार बॉडीकॉन ऑफ–शोल्डर गाउन में फ्रेंच रिवेरा को लाल रंग में रंग दिया। उनके आउटफिट का मुख्य आकर्षण लाल फूली हुई आस्तीन थी। उर्वशी ने फ्रांसिस फोर्ड कोपोला के श्मेगालोपोलिसश के प्रीमियर में भाग लिया। उर्वशी का पिछला कान्स 2024 लुक मंगलवार को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के उद्घाटन समारोह के बाद, उर्वशी ने रात के लिए अपने लुक की कई तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा कींरू एक गुलाबी रफल गाउन। फूशिया पोशाक लेबनानी लेबल, खालिद और मारवान द्वारा थी। उर्वशी ने अपने एक पोस्ट को कैप्शन दिया, ष्फेस्टिवल डे कान्स 2024 का उद्घाटन समारोह मेरी परम पसंदीदा मेरिल स्ट्रीप के साथ।ष 77वां कान्स फिल्म फेस्टिवल मंगलवार रात ग्रैंड थिएटर लुमियर में ग्लैमर और प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ। मेहमानों में कोई और नहीं बल्कि हॉलीवुड आइकन मेरिल स्ट्रीप थीं, जिन्हें प्रतिष्ठित मानद पाल्मे डीश्ओर से सम्मानित किया गया था।

एलोवेरा का इस्तेमाल ज्यादातर सौंदर्य के लिए किया जाता है लेकिन ये स्वास्थ्य के लिए भी मददगार साबित होता है। ये कई खतरनाक बीमारियां मिटाने के साथ–साथ चेहरे पर निखार भी लाता है। इतने फायदे होने के बावजूद भी क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा हमारे लिए कई तरीकों से नुकसानदायक भी होता है। आप शायद हैरान हो रहे होंगे लेकिन ये बात सच है। आज हम आपको इन्हीं कुछ होने वाले नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं। तो चलिए अब जानते हैं–

गर्भपात

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए एलोवेरा जूस काफी नुकसानदायी होता है क्योकि इसके सेवन से गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंचता है। ये शरीर के अंदर अलग रिएक्शन कर जाता है स्तनपान कराने वाली महिला को भी एलोवेरा जूस नहीं पीना चाहिए।

हार्ट प्रॉब्लम

जिन लोगो को ज्यादा हार्ट की प्रॉब्लम है उन्हें एलोवेरा का सेवन नहीं करना चाहिए क्योकि इस से शरीर में पोटेशियम की मात्रा कम हो जाती है और हार्ट की बीमारिया हो जाती है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

बॉडी रिएक्शन

ऐसा माना जाता है की एलोवेरा का सेवन किसी अन्य जूस के साथ नहीं करना चाहिए क्योंकि ये शरीर के अंदर बाकी की चीजों का असर नहीं होता।

डायरिया

माना जाता है कि गर्मियों में एलोवेरा पीने से इसके लैक्सेटिव एंथ्राक्विनोन तत्व पेट को नुकसान पहुंचाते है और गर्मी में इसका सेवन डायरिया जैसी समस्या पैदा कर देता है।

पेट की समस्या

एलोवेरा की पत्तियों में मौजूद लेटेक्स की वजह से कई लोगों को इसका सेवन करने से एलर्जी की शिकायत हो सकती है, जिससे उन्हें पेट में जलन, ऐंठन या मरोड़ महसूस होने के साथ पोटेशियम लेवल भी लो हो सकता है।

एलोवेरा से चेहरे को नुकसान

–चेहरे पर जरूरत से ज्यादा एक्टिव पिंपल्स होने पर एलोवेरा जेल का यूज नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से चेहरे पर खुजली की समस्या हो सकती है।

–ऑयली स्किन वालों के लिए भी है लोगों को भी कई बार एलोवेरा जेल लगाने से समस्या हो सकती है। ऐसे लोग अगर ज्यादा देर तक एलोवेरा जेल चेहरे पर लगाए रखते हैं तो उनके चेहरे पर छोटे–छोटे दाने निकल आते हैं।

–त्वचा पर किसी तरह की कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने पर भी आपको एलोवेरा जेल चेहरे पर लगाने से परहेज करना चाहिए।

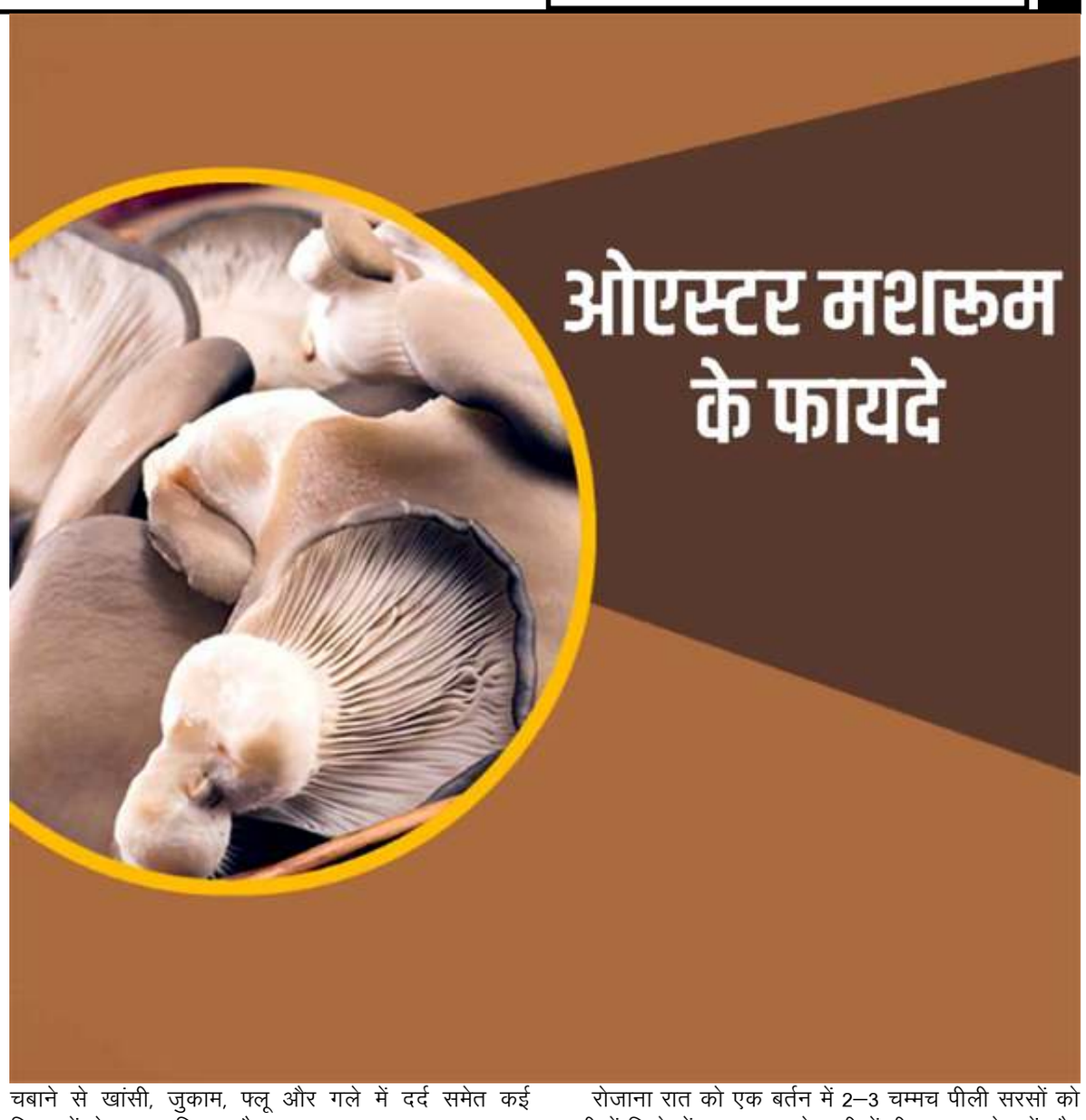

पिली और काली सरसों के बिना भारतीय रसोई अधूरी है। अगर आपको खाने का स्वाद बढ़ाना है तो सरसों के दाने से तड़का लगा लीजिए।

लेकिन बात अगर सिर्फ पिसी सरसों की करें तो ये स्वाद बढ़ाने के साथ–साथ हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। सेहत को बेहतर बनाने के लिए इस को डाइट में शामिल करने से बहुत लाभ मिलता है। आपको बता दें कि इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जैसे फास्फोरस, जिंक, सेलेनियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम अदि। ऐसे में इसका अगर आप रोजाना सेवन करते हैं तो आपको कई तरह बीमारियां जैसे ब्लड प्रेशर, पेट, कोलेस्ट्रॉल और शरीर में मौजूद अन्य कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। सिर्फ यही नहीं बल्कि इसके और भी बहुत से फायदे हैं जो आपको हैरान कर देंगे, चलिए अब उनके बारे में जानते हैं।

दिल को बनाए स्वस्थ

पीली सरसों दिल के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसके बीज चबाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रण में रहता है। दो चम्मच रोजाना सरसों खाने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक जैसे कई गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करता है।

खुजली और दाद की समस्या को करें दूर

पीली सरसों खुजली और दाद की समस्या को दूर करने के लिए मदद करती है। त्वचा की समस्या को दूर करने के लिए सरसों के तेल की मालिश कर सकते है। इसका सेवन रोजाना नाश्ते के बाद पानी में फुला कर भी कर सकते है।

वेट कंट्रोल करने में है मददगार

पीली सरसों में पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते है। इसमें कैलोरी की मात्रा न के बराबर होती है। अगर आप वेट कंट्रोल करने का सोच रहे है तो इसका रोज खाली पेट 1 चम्मच सेवन कर सकते है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल को करे कम

कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने के लिए पीली सरसों का इस्तेमाल कर सकते है। इस से कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रण में रहता है। ये एंटी फंगल, एंटी सेप्टिक जैसे कई सारे तत्वों से भरपूर होती हैं जो कोलेस्ट्रॉल को तो नियंत्रण में रखती है साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं को भी दूर करती है।

सर्दी, जुकाम से करें बचाव

सर्दियों के मौसम में शरीर की इम्यूनिटी कम होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ता है। जिससे सर्दी–जुकाम जैसी दिक्कतें आती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो पीली सरसों के बीजों को चबाने से खांसी, जुकाम, फ्लू और गले में दर्द समेत कई दिक्कतों से आराम मिलता है।

सेवन करने का तरीका

रोजाना रात को एक बर्तन में 2–3 चम्मच पीली सरसों को पानी में भिगो लें। रात भर इसे पानी में भीगा हुआ छोड़ दें और सुबह खाली पेट चबा कर खा लें और इसके पानी को पी लें।

गर्मियों की धूप आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है और त्वचा संबंधी कई समस्याएं पैदा कर सकती है। गर्मियों के दौरान अपनी त्वचा की सुरक्षा करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सूरज की हानिकारक किरणें सनबर्न, टैन, शुष्क त्वचा और यहां तक घ्घकि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों का कारण बन सकती हैं।

मई के महीने में सूरज की तेज किरणों के साथ चिलचिलाती गर्मी और उमस होती है। तेज गर्मी न केवल आपको डिहाइड्रेट कर सकती है, बल्कि आपकी त्वचा को भी नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे समय से पहले बुढ़ापा, काले धब्बे और यहां तक घ्घकि कैंसर भी हो सकता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आप इस गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा का अत्यधिक ख्याल रखें। यहां दिए गए कुछ टिप्स, जो इस गर्मी में आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में आपकी मदद करेंगे।

वाइप्स का यूज करें

गर्मियां आपकी त्वचा के लिए कठोर हो सकती हैं और इसका ख्याल रखना जरूरी है। जिस तरह ठंडा पानी आपके सूखे गले को राहत देता है, उसी तरह जब चिलचिलाती गर्मी आपको परेशान कर रही हो तो गीले वाइप्स आपकी त्वचा को आराम पहुंचा सकते हैं। गर्मियों के दौरान अपनी त्वचा को साफ और तरोताजा रखने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने साथ गीले वाइप्स का एक पैकेट रखें। गीले वाइप्स आपकी त्वचा को जल्दी तरोताजा और साफ करने के लिए एक बेस्ट

समाधान हैं, खासकर जब आप यात्रा पर हों। वेट वाइप्स गर्मियों के दौरान आपकी त्वचा पर जमा होने वाले पसीने, गंदगी और बैक्टीरिया को पोंछने के लिए एकदम सही हैं। यह आपकी त्वचा पर कोमल होते हैं और इनमें एक सुखद सुगंध होती है जो आपको तरोताजा महसूस कराती है। आप इनका इस्तेमाल अपने चेहरे, गर्दन, बाहों और शरीर के किसी भी अन्य हिस्से को साफ करने के लिए कर सकते हैं, जिसे सफाई की आवश्यकता है। इस बात का ध्यान रखें कि, ऐसे उत्पादों की तलाश करें जो आपकी त्वचा के लिए कोमल हों और कठोर रसायनों से मुक्त हों। ऐसे वाइप्स से बचें जिनमें अल्कोहल, सुगंध या परिरक्षक हों क्योंकि वे आपकी त्वचा में जलन पैदा कर सकते हैं और सूखापन पैदा कर सकते हैं।

सनस्क्रीन का प्रयोग करें

आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाना महत्वपूर्ण है, लेकिन सभी सनस्क्रीन समान रूप से प्रभावी नहीं होते हैं या उनमें समान तत्व नहीं होते हैं। गर्मियों के दौरान फुल लाइट टेक्नोलॉजी वाला सनस्क्रीन चुनना जरूरी है। यह तकनीक आपकी त्वचा को यूवीए और यूवीबी किरणों के साथ–साथ हानिकारक अवरक्त किरणों और ब्लू लाइट से बचाती है, सूरज के संपर्क में आने से होने वाली टैनिंग, लगातार रंजकता और समय से पहले बूढ़ा होने से रोकती है। चूंकि गर्मियों के दौरान सनस्क्रीन का उपयोग बढ़ जाता है, इसलिए इसे लगातार दोबारा लगाने की आदत को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। हालांकि सनस्क्रीन सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन इसकी स्थिरता सीमित है, जो हानिकारक यूवी किरणों के खिलाफ तुरंत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार और दोबारा आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

हाइड्रेशन जरुरी है

हाइड्रेटेड रहना बेहद जरुरी है और यह गर्मियों के कारण होने वाली हर समस्या का समाधान है। जितना अधिक आप खुद को हाइड्रेटेड रखेंगे, आपकी त्वचा रूखी नहीं होगी और स्वस्थ और चमकदार रहेगी। वेबएमडी का कहना है, ष्आपकी त्वचा को मजबूती और लचीलापन देने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।ष पानी न सिर्फ आपकी प्यास बुझाता है बल्कि आपकी त्वचा को भी स्वस्थ बनाता है।

रोजाना मॉइस्चराइज करें

गर्मी के महीनों के दौरान आपकी त्वचा को मुलायम और कोमल बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजिंग महत्वपूर्ण है। एक हल्का, ऑयल–फ्री मॉइस्चराइजर चुनें जो आपके छिद्रों को बंद नहीं करेगा। आपनी त्वचा के लिए उपयुक्त हल्का मॉइस्चराइजर चुने। अपनी त्वचा को साफ करके और टोनर करने के बाद इसे लगाएं और यदि आवश्यक हो तो पूरे दिन दोबारा लगाएं।

सुरक्षात्मक कपड़े पहनें

टोपी, धूप का चश्मा और लंबी बाजू की शर्ट जैसे सुरक्षात्मक कपड़े पहनने से आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद मिल सकती है। ठंडे और आरामदायक रहने के लिए सूती या लिनेन जैसे हल्के, सांस लेने वाले कपड़ों से बने कपड़े चुनें।

हाइपरटेंशन, जिसे अक्सर उच्च रक्तचाप के रूप में जाना जाता है, एक खतरनाक स्थिति है जो तब होती है जब हमारी रक्त वाहिकाएं बहुत अधिक दबाव (140ध्90 उउभ्ह या अधिक) में होती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में इस स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 17 मई को दुनिया भर के लोग विश्व हाइपरटेंशन मनाते हैं।

उच्च रक्तचाप एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय स्थिति है जो हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे और अन्य संवहनी रोगों के विकसित होने का खतरा बढ़ाती है। यह वैश्विक स्तर पर मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है, जो हर चार पुरुषों में से एक और हर पांच महिलाओं में से एक को प्रभावित करता है, यानी एक अरब से अधिक लोग। आनुवंशिक रुप से भी कई लोगों को इस समस्या से जूझना पड़ता है, हालांकि, जीवनशैली में बदलाव करने से रक्तचाप के स्तर को काफी प्रभावित कर सकते हैं।

जीवनशैली में सरल परिवर्तन, जो उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं–

संतुलित आहार

फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और दुबले प्रोटीन से भरपूर आहार, जैसे क्भ् आहार, को अपनाने से रक्तचाप को कम करने में मदद मिल सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि क्भ् आहार का पालन करने से, जो सोडियम को 1500उहधदिन तक सीमित करते हुए फल, सब्जियों और कम फैट्स वाले डेयरी उत्पादों पर जोर देता है, रक्तचाप कम हो जाता है। यह सलाह दी जाती है कि सोडियम से भरपूर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को कम करें और भोजन में केले, पालक और शकरकंद जैसे पोटेशियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

स्वस्थ वजन

वजन कम करने से रक्तचाप को कम करने में मदद मिल सकती है। आमतौर पर, कमर की परिधि यानी पेट के मोटापे का उच्च रक्तचाप से गहरा संबंध होता है। महिलाओं के लिए, 32 इंच से अधिक की कमर की माप को उच्च माना जाता है। पुरुषों के लिए, यह भारतीयों में 38 इंच से अधिक है। शरीर का वजन 5: से 10: कम करके व्यक्ति रक्तचाप को काफी कम कर सकता है।

नियमित एक्सरसाइज

एक्सरसाइज, रक्तचाप को कम करने और वजन कम करने में मदद करता है। एरोबिक्स, तेज चलना, तैराकी, साइकिल चलाना या नृत्य जैसे एक्सरसाइज तनाव को कम करने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद करेंगे। अध्ययन के मुताबुक सप्ताह कम से कम 150 मिनट कठोर वर्कआउट की सलाह देते हैं। शराब का सेवन अत्यधिक शराब पीने से रक्तचाप को नियंत्रित करने वाले तंत्र में व्यवधान पैदा करती है और समय के साथ हृदय और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने के लिए शराब का सेवन महिलाओं के लिए प्रति दिन एक पेय से अधिक और पुरुषों के लिए प्रति दिन दो पेय तक सीमित करें। तनाव क्रोनिक तनाव शरीर की ष्लड़ो या भागोष प्रतिक्रिया को सक्रिय करके उच्च रक्तचाप में योगदान कर सकता है, जो उच्च रक्तचाप के स्तर का कारण बनता है। तनाव दूर करने के लिए, अपनी नियमित दिनचर्या में विश्राम अभ्यासों को शामिल करें, जैसे गहरी सांस लेने के एक्सरसाइज, ध्यान या योगा जरुर करें।

स्ट्रांग रूम की बार बार बत्ती गुल होने पर अखिलेश को शक

सपाइयों को दिया निर्देश, बराबर करें निगरानी

लखनऊ,(एजेंसी)। हमीरपुर मंडी समिति सुमेरपुर के स्ट्रांग रूम की बार–बार बत्ती गुल होने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर किसी गड़बड़ी की आशंका को लेकर सपाइयों को मंडी समिति में डटे रहने का संदेश दिया है।अखिलेश की इस आशंका पर डीएम की ओर से सफाई भी दी गई है। इस मुद्दे को लेकर कल सपा प्रत्याशी के साथ पार्टी नेता डीएम से भी मिले थे।20 मई को पांचवें चरण का मतदान संपन्न होने के बाद जनपद की दोनों विधानसभा हमीरपुर और राठ की ईवीएम को मंडी समिति सुमेरपुर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं जो चौबीस घंटे संचालित हैं। स्ट्रांग रूम में ईवीएम के पहुंचने के दूसरे दिन से ही कई बार लगातार बिजली की आवाजाही होती रही जिससे सपाइयों ने किसी गड़बड़ी की आशंका को लेकर स्थानीय प्रशासन के साथ चुनाव आयोग से शिकायत की थी। शिकायत के बाद प्रशासन ने मंडी समिति की बिजली व्यवस्था चाकचौबंद करा दी थी। इसी मुद्दे को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन को इस मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए सपाइयों के नाम संदेश जारी किया है जिसमें उन्होंने लिखा है, हमीरपुर में जहां चुनाव के बाद ईवीएम रखे हैं वहां के स्ट्रांग रूम में पांचवीं बार बिजली कटी है। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन इसका तुरंत संज्ञान ले। सपा प्रत्याशियों और जुझारू कार्यकर्ताओं से यही अपील है कि इसी तरह पूरे प्रदेश में, ईवीएम के स्ट्रांग रूम पर निगाह रखें और गड़बड़ी की किसी भी आशंका की सूचना हमें दें। हमीरपुर के सपा के समर्पित सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को सचेत–सतर्क रहने के लिए बधाई! आप की सजगता ही जीत का आधार बनेगी। सपा के मीडिया सेल से भी एक्स पर बार–बार बिजली गुल होने और सीसीटीवी कैमरों के बंद होने पर गड़बड़ी की आशंका जताई गई है।अखिले की इस पोस्ट के बाद डीएम के हैंडल से रिप्लाई किया गया, जिसमें लिखा है कि 'स्ट्रांग रूम में उपलब्ध पॉवर बैकअप

के साथ लाईट निरंतर आ रही है एवं सीसीटीवी कैमरे निरंतर चल रहे हैं। तकनीकी समस्या के कारण बाधित इंटरनेट को तत्काल बहाल करते हुए कैमे का निर्बाध प्रसारण हो रहा है।

गाजीपुर:बीजेपी को खोने को कुछ नहीं

लखनऊ,(एजेंसी)। गाजीपुर पूर्वांचल में वाराणसी के बाद दूसरी सबसे हॉट सीट है। भाजपा जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा रेलमंत्री रहते कराए गए विकास के कामों का हवाला देकर माहौल बना रही है तो इंडिया गंठबंधन अंदर ही अंदर मुख्तार अंसारी की हाल में हुई मौत को मुद्दा बना रहा है।चुनाव में विकास और जातीय मुद्दों के बीच मुख्तार की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि सपा प्रत्याशी सांसद अफजाल अंसारी उनके भाई हैं। भाजपा से पारसनाथ राय मैदान में हैं। वह मनोज सिन्हा के करीबी कहे जा रहे हैं। बसपा से डॉ. उमेश कुमार सिंह समेत 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। प्रत्याशियों की सूची में अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी निर्दल प्रत्याशी हैं, जिनका चुनाव निशान छड़ी है। लोगों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा होने के बाद भाजपा प्रत्याशी की स्थिति बदलने के आसार हैं।गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे की दाईं तरफ से इस संसदीय क्षेत्र का जंगीपुर विधानसभा क्षेत्र शुरू हो जाता है। कुछ लोग कहते हैं, गाजीपुर में विकास का कोई बड़ा काम नहीं हुआ है। बेरोजगारी बढ़ी है। पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा में शामिल हुआ,पर वह रद्द हो गई। मनोज सिन्हा के समय रेलवे क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए। गाजीपुर–मऊ रेल लाइन का काम शुरू हुआ, लेकिन अब सुस्त है। मनोज सिन्हा द्वारा कराए विकास कार्यों की तारीफ हो रही है पर मुख्तार अंसारी की मौत से सहानुभूति का सपा को फायदा मिल सकता है।लोग महंगाई व बेरोजगारी से खिन्न हैं।ओम प्रकाश राजभर के आने से भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। यहां लड़ाई भाजपा व सपा के बीच है। कोई यह कहने की स्थिति में नहीं है कि वह एकतरफा चुनाव जीत रहा है। लोग रेलवे से जुड़े विकास के अलावा पासपोर्ट कार्यालय खोलने का श्रेय मनोज सिन्हा को देते हैं। नंदगंज की बंद चीनी मिल और बड़ौरा की बंद कताई मिल को चालू कराना यहां बड़ा मुद्दा है। गाजीपुर में विकास कार्य भाजपा की देन है, पर सपा प्रत्याशी जमीनी नेता हैं। गाजीपुर की पांच विधान सभा सीटों में से सभी पर 2022 में भाजपा की हार हुई थी। सैदपुर, जमानियां, गाजीपुर सदर और जंगीपुर में सपा व जखनियां में सुभासपा को जीत हासिल हुई थी। सुभासपा के भाजपा में आने से अब जखनियां विधायक भाजपा के साथ खड़े हैं। इस क्षेत्र से सांसद अफजाल अंसारी 2019 में बसपा से चुनाव जीते थे और इस बार सपा के प्रत्याशी हैं। इस लिहाज से भाजपा के पास यहां खोने के लिए कुछ नहीं है सिर्फ पाना ही है।

रिटायर आईएएस की पत्नी की लूट के बाद हत्या

लखनऊ,(एजेंसी)। लखनऊ में एक रिटायर आईएएस की पत्नी की लूट के बाद हत्या कर कर दी गई। हत्या की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। घटना इंदिरा नगर सेक्टर 22 की है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस छानबीन में जुट गई। मौके पर डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया है। इंदिरा नगर निवासी रिटायर आईएएस देवेंद्रनाथ दुबे सुबह गोल्फ खेलने गए थे। जब वह गोल्फ खेलकर घर लौटे तो देखा कि उनकी पत्नी की लाश लटक रही है। यह नजारा देख कर वह दंग रह गए है। उन्होंने बताया कि घर खुला खुला था, अलमारियों का सामान बिखरा था। पत्नी मोहिनी दुबे के गले में फंदा लगा हुआ था। उन्होंने आशंका जताई है कि लूट के बाद पत्नी की हत्या की गई है। डीएन दुबे (71) रायबरेली के डीएम और प्रयागराज के मंडलायुक्त रह चुके हैं।

पीठासीन अधिकारी प्रशिक्षित नही, ईवीएम में भी गडबड़ी : मेनका

लखनऊ,(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव–2024 के छठे चरण के तहत आज यूपी की 14 सीटों पर मतदान हुआ है। मतदान के दौरान कई लोकसभा सीटों पर ईवीएम में दिक्कत और अव्यवस्था की शिकायतें आई हैं। सुल्तानपुर संसदीय सीट पर भी ऐसी कई शिकायतें मिली हैं। मौजूदा सांसद और इस बार भी बीजेपी की उम्मीदवार मेनका गांधी ने कहा कि ईवीएम में 2–3 जगहों पर छोटी–छोटी दिक्कतें हैं, कुछ मतदान अधिकारी अच्छी तरह से प्रशिक्षित नहीं हैं और यहां तक कि हमारे कुछ एजेंट भी प्रक्रिया को लेकर अनजान हैं,इसलिए यह हिंट एंड मिस प्रोसेस है। सुल्तानपुर से अलग कई और जगहों पर भी ईवीएम में दिक्कतें आईं। यूपी के सिद्धार्थनगर में एक पोलिंग बूथ पर मतदान शुरू होने से पहले पीठासीन अधिकारी को माकपोल कराना था। इसके लिए सूचना कंट्रोल रूम को देनी थी, लेकिन सुबह 8.45 बजे तक कंट्रोल रूम को 19 बूथ के संबंध में कोई सूचना नहीं मिल पाई। यह सभी बूथ शैडो एरिया में स्थित हैं। शैडो एरिया में कोई मोबाइल का नेटवर्क काम नहीं करता है।कंट्रोल रूम प्रभारी डीएस यादव ने बताया कि नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ बूथ के माकपोल की सूचना नहीं मिल सकी। लोकसभा सीट बस्ती में भी ईवीएम खराब होने की शिकायतें मिली । यहां 2151 बूथ बनाए गए हैं।सुबह 7 बजे जब वोटिंग शुरू हुई तो 69 ईवीएम खराब होने की सूचना मिली। डीएम अंद्रा वामसी के अनुसार मशीनों को बदलकर मतदान सुचारु रूप से शुरू कर दिया गया है। डीएम ने बताया कि पांचों विधानसभा में 13 बैलट यूनिट, 38 कंट्रोल यूनिट और 18 वीवीपैट खराब हुई। बैलट यूनिट के खराब होने का प्रतिशत .6 परसेंट, कंट्रोल यूनिट का 1.77 परसेंटऔर वीवीपैट का .84परसेंट रहा।

बड़ा मंगल: एक पूजनीय त्योहार

- नवाब आसिफुद्दौला की देन है बड़ा मंगल
- धार्मिक भावनाओं से इतर है यह आयोजन

लखनऊ,(एजेंसी)। लखनऊ तहजीब,संस्कृति और परंपरा का जीवंत केंद्र है। इतिहास और नवाबी विरासत के लिए मशहूर लखनऊ अपने निवासियों, आगंतुकों के दिलों में खास जगह रखता है। बड़ा मंगल मुख्य रूप से लखनऊ में मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह शुभ अवसर स्थानीय लोगों के बीच बहुत महत्व रखता है, जो हर साल बेसब्री से इंतजार करते हैं। कहा जाता है कि बड़ा मंगल की परंपरा 18वीं शताब्दी में नवाब आसफ–उद–दौला के शासनकाल से चली आ रही है। इस त्यौहार के पीछे की कहानी रहस्य और लोककथाओं में लिपटी हुई है, जो इसे सुनने वाले सभी लोगों को मोहित कर लेती है।नवाब आसफ–उद–दौला के शासन के दौरान लखनऊ को अकाल और सूखे के गंभीर संकट का सामना करना पड़ा। अपने लोगों की दुर्दशा से बहुत दुखी नवाब ने आध्यात्मिकता की ओर रुख किया और उनकी पीड़ा को कम करने के लिए ईश्वरीय हस्तक्षेप की मांग की।नवाब की प्रार्थना के जवाब मेंएक संत उनके सपने में आए और उन्हें भगवान हनुमान के सम्मान में भव्य भोज करने का निर्देश दिया। संत ने घोषणा की कि यह कदम शहर में समृद्धि लाएगा।संत के मार्गदर्शन का पालन करते हुए नवाब आसफ–उद–दौला ने बड़े मंगल की परंपरा शुरू की जो भगवान हनुमान की पूजा करने और जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरित करने के लिए समर्पित दिन है। इस प्रकार लखनऊ में बड़े मंगल का वार्षिक उत्सव शुरू हुआ।बड़े मंगल के शुभ अवसर पर भक्त लखनऊ के हनुमान मंदिरों में पूजा–अर्चना करने और भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए उमड़ पड़ते हैं। पूरे दिन विशेष पूजा–अर्चना और आरती होती है, जिसमें भगवान हनुमान की दिव्य कृपा की कामना की जाती है।बड़े मंगल की खास परंपरा है जाति, पंथ या धर्म की परवाह

किए बिना सभी को मुफ्त भोजन वितरित करना।मंदिर और सामुदायिक केंद्र लंगर सामुदायिक रसोई का आयोजन करते हैं, जहाँ स्वयंसेवक भक्तों और वंचितों को पौष्टिक भोजन परोसते हैं।बड़ा मंगल धार्मिक सीमाओं से परे है और लखनऊ के लोगों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। यह शहर के विविध सांस्कृतिक ताने–बाने और सांप्रदायिक सद्भाव की भावना की याद दिलाता है जो इसके निवासियों को एक साथ बांधती है।पिछले कुछ सालों में बड़ा मंगल एक भव्य आयोजन बन गया है, जिसमें दूर–दूर से श्रद्धालु भाग लेने आते हैं। इस त्यौहार की विशेषता परोपकार और करुणा की भावना लखनऊ के लोगों में गूंजती है। बड़ा मंगल बहुत जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। मंदिरों को सजाया जाता है। इसको मनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शहर हर्षोल्लास के साथ जीवंत हो उठता है, जो भक्ति और कृतज्ञता के एक और वर्ष को चिह्नित करता है। बड़ा मंगल लखनऊ के सांस्कृतिक परिदृश्य की विशेषता वाले स्थायी विश्वास और सांप्रदायिक सद्भाव का एक वसीयतनामा है। पूजा के अपने अनुष्ठानों और दान के कार्यों के माध्यम से, यह प्रतिष्ठित त्योहार करुणा, एकता और एकजुटता की भावना के प्रति शहर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा के घर पुलिस का छापा, किया नजरबंद

- अखिलेश गुस्साए, बोले,छापा मारा गया लेकिन मिला कुछ नहीं
- ईमानदार नेता की छवि खराब करने की कोशिश
- मेरे उत्पीड़न का जवाब जनता वोट से देगी–लालजी

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने छठे चरण की वोटिंग के बीच अंबेडकरनगर लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा के घर छापेमारी को खराब करने की कोशिश कर रही है वीडियो में सपा प्रत्याशी पुलिस कर्मियों से बहस करते हुए नजर आ रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा, सपा के जीत रहे अंबेडकरनगर

कर उन्हें नजरबंद करने का आरोप लगाया है। सियासत गरमा गई है। सपा अध्यक्ष लालजी वर्मा के घर का वीडियो शेयर किया जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस की टीम दिखाई दे रही है।अखिलेश यादव ने इस वीडियो को शेयर करते हुए बीजेपी पर निशाना साधा और इसे हार की हताशा बताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ईमानदार छवि के नेता की छवि प्रत्याशी लालजी वर्मा के घर पर पुलिस भेजकर छापा मारा गया लेकिन पुलिस को न कुछ मिलना था, न कुछ मिला। ये लालजी वर्मा की ईमानदार छवि को धूमिल करने का कुकृत्य है,घोर निंदनीय! ये हारती हुई भाजपा की हताशा है। वीडियो में एक शख्स ये कहता दिख रहा है कि पुलिस वाले दीवार कूदकर घर में घुसे हैं। सपा उम्मीदवार लालजी वर्मा ने प्रशासनिक अमले पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया और कहा,इसका जवाब लोग अपने वोट से देंगे। लालजी वर्मा ने कहा, अंबेडकरनगर का पूरा प्रशासनिक अमला मुझे प्रताड़ित कर रहा है, जिसका जवाब अंबेडकरनगर की जनता अपने वोट से देगी।सपा नेता ने कहा, मुझे चाहे जितना प्रताड़ित किया जाए लेकिन पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यको की आवाज को दबने नहीं दूंगा, मैं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों से अपील करता हूं कि आप सभी अपने बूथ पर मुस्तैदी से वोट पड़वाए।

सुबह से सर्व समाज का खासकर दलित समाज का मुझे जिस तरह से समर्थन मिल रहा है उसका मैं दिल से आभार प्रकट करता हूं।आप सभी अपने बूथ पर ज्यादा से ज्यादा वोट पड़वाये और बिना किसी भय के बूथ पर डटे रहे।

क्या यही चुनाव आयोग की निष्पक्षता है?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के अंतर्गत छठे चरण की वोटिंग हुई है।इस चरण की वोटिंग के दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के ओर से प्रशासन पर तमाम आरोप लगाए जा रहे हैं। वहीं वोटिंग के दौरान सपा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए अंबेडकर नगर से प्रत्याशी लालजी वर्मा को नजरबंद करने का दावा किया गया है।सपा के मीडिया सेल ने पहले ये वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा, सूचना है कि अंबेडकर से सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा के घर योगी सरकार के इशारे पर पुलिस ने दल बल के साथ पहुंचकर प्रत्याशी को नजरबंद किया है और मतदान करने से दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों को रोका जा रहा है।चुनाव आयोग को टैग करते हुए आगे लिखा,बताएं कि ये किस नियम के तहत पुलिस कर रही और क्या यही आपकी निष्पक्षता है? अरे शर्म कर लो चुनाव आयोग शर्म ,बेशर्मी से कब तक भाजपा की बीन पर नाचोगे?श दूसरी ओर कांग्रेस ने यह वीडियो शेयर कर लिखा है कि अम्बेडकरनगर के इंडिया गठबंधन प्रत्याशी लालजी वर्मा को नजरबंद किये जाने की सूचना है। पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार हार के डर से इतना बौखलाई हुई है कि खुलेआम तानाशाही पर उतर आई है। सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को घर से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है व मतदाताओं को धमकाया जा रहा है। शुक्रवार को लवकुश वर्मा के पास से पुलिस को एक लाख रुपए मिल गए थे जिसपर पूछताछ करने के लिए पुलिस लवकुश के घर पहुंची थी लेकिन एक लाख रूपये उनके पास थे वो कहीं किसी को बांट नहीं रहे थे, इस कारण ये आचार संहिता का उल्लंघन के अंतर्गत नहीं आया।

संक्षिप्त समाचार

प्रोजेक्ट अलंकार: उपभोग प्रमाणपत्र के फेर में फंसी माध्यमिक विद्यालयों की दूसरी किश्त

लखनऊ,(एजेंसी)। प्रदेश में माध्यमिक विद्यालयों के कायाकल्प के लिए शासन की ओर से शुरू की गई प्रोजेक्ट अलंकार योजना अधर में फंसी है। विभाग ने पहले चरण में प्रदेश के 70 जिलों के 450 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को 98 करोड़ की पहली किस्त जारी की, अधिकारियों की लापरवाही से उपभोग प्रमाणपत्र न मिल पाने के कारण दूसरी किस्त फंस गई है। बेसिक विद्यालयों की कायाकल्प योजना की सफलता के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने पहले चरण में अपने यहां राजकीय माध्यमिक विद्यालय के लिए प्रोजेक्ट अलंकार योजना की शुरुआत की थी। इसमें जर्जर व पुराने राजकीय विद्यालयों के पुनर्निर्माण व जीर्णोद्धार के लिए शासन की ओर से बजट का प्रावधान किया गया था। इन विद्यालयों को शासन की ओर से पूरा बजट दिया जा रहा है। 2022–23 में इसके तहत 450 विद्यालयों को 98 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई थी, किंतु कई बार की बैठकों में निर्देश के बाद भी जिला विद्यालय निरीक्षक व स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक हुए काम का उपभोग प्रमाणपत्र, टास्क फोर्स की जांच रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। 70 में से मात्र 10 जिलों से रिपोर्ट मिली है। इसकी वजह से विद्यालयों के निर्माण के लिए दूसरी किस्त जारी नहीं हो पा रही है। इनका निर्माण कार्य प्रभावित है।अपर शिक्षा निदेशक राजकीय अजय कुमार द्विवेदी के मुताबिक शासन ने पुराने व जर्जर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की बाउंड्रीवाल, टाइलीकरण, छत की मरम्मत व अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए इस योजना के तहत बजट स्वीकृत किया था, किंतु स्थानीय स्तर पर हो रही देरी से काम प्रभावित है। डीआईओएस को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द उपभोग प्रमाणपत्र उपलब्ध कराएं ताकि दूसरी किस्त जारी हो सके। ऐसा न होने पर डीआईओएस व मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक काउत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

अल्पसंख्यक कॉलेजों में परीक्षा से चुने जाएंगे प्राचार्य

लखनऊ,(एजेंसी)। अल्पसंख्यक कॉलेजों के प्राचार्य के पदों पर परीक्षा के माध्यम से भर्ती होगी और भर्ती की जिम्मेदारी शिक्षा सेवा चयन आयोग के पास होगी।पहले प्रबंधन के माध्यम से नियुक्ति की जाती थी। अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में परीक्षा और इंटरव्यू के माध्यम से ही प्राचार्य के पद पर भर्ती होती है।इससे पूर्व विज्ञापन संख्या–49 के तहत वर्ष 2019 में अशासकीय महाविद्यालयों में प्राचार्य के 290 पदों पर भर्ती आई थी और वर्ष 2020–21 में इस भर्ती के चयनितों को नियुक्ति मिली थी।इस वजह से अशासकीय महाविद्यालयों में प्राचार्य के तकरीबन 60 पद खाली हैं। प्रदेश में 310 अशासकीय महाविद्यालय और 21 अल्पसंख्यक महाविद्यालय हैं। नई व्यवस्था के तहत उच्च शिक्षा निदेशालय अब 331 महाविद्यालयों में प्राचार्य के रिक्त पदों का अधियाचन शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजेगा और आयोग अधियाचन के आधार भर्ती करेगा। अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में भी लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर प्राचार्य के पदों पर भर्ती की जाएगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चार जून को लोकसभा चुनाव के तहत मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग नई भर्तियों पर भी काम शुरू कर देगा। प्राचार्य के पद पर पांच साल से कोई नहीं भर्ती नहीं हुई है। ऐसे में आयोग इस भर्ती को प्राथमिकता दे सकता है।

कर्मचारी चयन आयोग जून में करायेगा तीन भर्ती परीक्षाये

लखनऊ,(एजेंसी)। कर्मचारी चयन आयोग यानि एसएससी की ओर से जून में तीन भर्ती परीक्षाएं कराई जाएंगी। तैयारी शुरू है। चुनाव परिणाम आने के अगले दिन से ही जूनियर इंजीनियर भर्ती की परीक्षा शुरू हो जाएगी। इसका प्रवेश पत्र अगले सप्ताह जारी कर दिया जाएगा। इसके अलावा दो अन्य परीक्षाओं का प्रवेश पत्र कुछ दिनों बाद जारी होगा। यह परीक्षाएं ऑनलाइन होंगी और केंद्रों का चयन किया जा रहा है।केंद्र सरकार के विभागों में जूनियर इंजीनियर के 968 पदों पर भर्ती का विज्ञापन 28 मार्च 2024 को जारी किया गया था। इन पदों के लिए 18 अप्रैल तक आवेदन लिया गया था। सेलेक्शन पोस्ट–12 की भर्ती का विज्ञापन 26 फरवरी को जारी किया गया था। इस भर्ती के जरिये केंद्र के विभागों में हाईस्कूल से लेकर ग्रेजुएट तक के 2049 पदों पर चयन होगा।सेंट्रल आई पुलिस बल यानि सीएपीएफ और दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर के 4187 पदों की भर्ती का विज्ञापन चार मार्च 2024 को आया था।

माध्यमिक विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था का होगा आकलन

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर न्यायालय के निर्देश पर विभाग ने कवायद तेज कर दी है। विभाग ने डीआईओएस से जिला स्तर पर स्कूल प्रबंधक, प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक कर इसकी न्यायालय के आदेश समीक्षा करने पर माध्यमिक शिक्षा में कवायद तेज करने के निर्देश दिए हैं।विभाग ने कहा है कि इन बैठक के जरिये विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया जाए। गैर संरचनात्मक सुरक्षा उपाय के तहत विद्यालयों के फर्नीचर,अलमारी, ब्लैक बोर्ड, सीलिंग फैन आदि के गिरने की आशंका न रहे, इसके लिए जरूरी निरीक्षण कर लिया जाए।प्रयोगशाला में रखे रसायन व अन्य ज्वलनशील पदार्थ का रखरखाव ठीक से किया जाए। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने इसके लिए पूर्व में हुई बैठक के अनुसार एक प्रारूप जारी करते हुए सभी जिलों से सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी जानकारी भी मांगी है।

अगले वर्ष तक 80 प्रतिशत विद्यालयों को बनाएंगे निपुण–कंचन

लखनऊ,(एजेंसी)। परिषदीय स्कूलों में कक्षा तीन से छह तक के विद्यार्थियों को भाषा व गणित में दक्ष बनाने के लिए निपुण भारत मिशन चलाया जा रहा है। प्रदेश में 1.34 लाख परिषदीय स्कूल हैं और इन्हें निपुण विद्यालय बनाया जाना है। केंद्र ने स्कूलों को वर्ष 2026–27 तक निपुण बनाने का लक्ष्य दिया है। उत्तर प्रदेश ने इसे पूरा करने के लिए कमर कस ली है। अगले वर्ष तक 80 प्रतिशत विद्यालयों को निपुण विद्यालय बनाने पर जोर दिया जा रहा है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि परिषदीय स्कूलों में निपुण मूल्यांकन टेस्ट अक्टूबर व दिसंबर और फरवरी 2025 में किया जाएगा। अभी विद्यालयों में छात्रों की 60 परसेंट तक औसत उपस्थिति रहती है और इसे बढ़ाकर 75 प्रतिशत किया जाएगा। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन यानि डीएलएड के प्रशिक्षुओं के माध्यम से विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

करारा जवाब मिलेगा...चीन ने घेरा तो ताइवान के आसमान में अमेरिकी एफ-16 विमान ने डाला डेरा

ताइवान भी जवाबी हमले के लिए तैयार है। ताइवान की आर्मी और एयरफोर्स अलर्ट मोड में है। इसके साथ ही मिसाइल यूनिट को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। अमेरिका ने अपने युद्धपोत को अलर्ट मोड पर रखा है। चीन की घेराबंदी को देखते हुए ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चेन ते का बयान भी सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा है कि चीन से जंग के लिए ताइवान तैयार है। ताइवान ने कहा कि चीन की धमकियों का हम करारा जवाब देंगे। चीन की सेना की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। ताइवान के एयर स्पेस में एफ-16 लगातार उड़ान भर रहे हैं। ताइवान के चारो ओर सुपर सोनिक मिसाइलों का घेरा बना दिया गया है। सिउंग फेस मिसाइल समुद्र और सरफेस में टारगेट हिट करने में सक्षम है। स्व-शासित द्वीप को घेरने के लिए युद्धाभ्यास समाप्त होने के बाद ताइपे ने शनिवार को कहा कि ताइवान के आसपास चीन का दो दिवसीय सैन्य अभ्यास अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए एक ज़बरदस्त उकसावे जैसा है। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय के हवाले से एक बयान में कहा गया कि चीन का हालिया एकतरफा उकसावे न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता की यथास्थिति को कमजोर करता है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए भी एक बड़ा उकसावे वाला कदम है, जिससे गंभीर चिंता पैदा हो रही है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसकी निंदा कर रहा है। 20 मई को ताइवान के नए राष्ट्रपति लाइ चिंग ते की शपथ के बाद से चीन बौखला गया है। जिसके बाद चीन की वॉर ड्रिल शुरू हो गई। अभ्यास के दौरान चीनी युद्धक विमान और जहाज खतरनाक तरीके से ताइवानी सैन्य हार्डवेयर के करीब आ गए। शुक्रवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक समाप्त हुए पिछले 24 घंटों में ताइवान के आसपास कम से कम 49 चीनी विमानों, 19 जहाजों और सात तट रक्षक जहाजों का पता लगाया गया। 35 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और द्वीप के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया।

4 साल के बच्चे के बर्थ डे पर हमास थीम का केक बनाया, कपड़े भी कमांडर जुबैदा जैसे पहनाए, सोशल मीडिया पर जमकर हुई आलोचना

एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में चार साल के ऑस्ट्रेलियाई बच्चे के लिए हमास थीम पर आधारित जन्मदिन का केक, जिसमें फिलिस्तीनी झंडे से घिरा एक आतंकवादी दिख रहा था, ने व्यापक आक्रोश फैलाया, जिसके कारण ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस को जांच शुरू करनी पड़ी। रिपोर्टों के अनुसार, केक बनाने के लिए ज़िम्मेदार ऑस्ट्रेलियाई बेकरी ने गर्व से इसकी तस्वीरें ऑनलाइन पोस्ट की थीं, जिन्हें अब तीव्र प्रतिक्रिया के बाद हटा दिया गया है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, फूफू द्वारा ओवेन बेकरी

ने मंगलवार को तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें युवा लड़के को फिलिस्तीनी झंडे से सजाए गए एक बड़े केक के पास खड़ा दिखाया गया और हमास के प्रवक्ता अबू ओबैदा की उंगली उठाए हुए एक तस्वीर दिखाई गई। पोज़ की नकल करते हुए लड़के ने केक पर बनी आकृति के समान हेडस्कार्फ़ और पोशाक पहनी हुई थी। प्रारंभ में बेकरी को केक के लिए सकारात्मक टिप्पणियाँ मिलीं, लोगों ने लड़के को एक चौंपियन कहा। इसके तुरंत बाद, इस पोस्ट की भारी आलोचना की गई, जिसके कारण इसके इंस्टाग्राम और फेसबुक पेजों को बंद करना पड़ा क्योंकि विरोधी धार्मिक नेताओं ने युवा लड़के को षशिक्षाष देने का आह्वान किया था। ऑस्ट्रेलियाई यहूदी समूह के मुख्य कार्यकारी रॉबर्ट ग्रेगरी ने कहा कि एक बच्चे को आतंकवादी के रूप में तैयार करना, जिसमें हमास का हेडबैंड भी शामिल है, निंदनीय है और बाल शोषण का एक रूप है। ग्रेगरी ने कहा कि इस्लामिक उग्रवाद और युवाओं का कट्टरपंथ सिर्फ यहूदी समुदाय के लिए एक समस्या नहीं है। यह सभी आस्ट्रेलियाई लोगों के लिए खतरा है। ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में मुस्लिम युवाओं द्वारा कथित तौर पर अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों को चाकू मारने या उन पर हमला करने की साजिश रचने की कई घटनाएं देखी गई हैं। उपदेश कम उम्र में ही शुरू हो जाता है और यह वैसा ही है जैसा पूरे मध्य पूर्व में देखा जाता है। यह बाल आतंकवादी संवारने से कम नहीं है।

सीपीईसी के दूसरे चरण की शुरुआत के लिए चीन जाएंगे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, अगले माह करेंगे यात्रा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द ही चीन के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत में शामिल होंगे। पाकिस्तानी मीडिया की मानें तो शरीफ जून के शुरुआती सप्ताह में बीजिंग के दौरे पर जाएंगे। पाकिस्तानी पीएमओ ने बताया कि शहबाज चार जून को चीन के लिए रवाना होने वाले थे लेकिन अब तारीखों में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है। सीपीईसी के पहले चरण में बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परियोजनाओं का विकास शामिल था। वहीं, ब्ब्म् के दूसरे चरण में, दोनों देश कृषि, पाकिस्तान रेलवे की मेन लाइन-ए, व्यवसायियों से व्यवसायियों के बीच सौदे और काराकोरम राजमार्ग (झ्झभ) के पुनर्निर्माण आदि पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

शरीफ- चीनी अनुभवों का लाभ उठाना चाहते हैं

प्रधानमंत्री शरीफ ने शुक्रवार को चीनी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम अपने आईटी क्षेत्र और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए चीनी अनुभवों का लाभ उठाना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। चीन ने हर कठिन समय में हमेशा पाकिस्तान की मदद की है। पूरा देश चीनी नेतृत्व और चीनी लोगों का आभारी है। पाकिस्तान ने चीनी कंपनियों को आश्वस्त किया कि चीनी श्रमिकों और नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शरीफ ने बैठक में आगे कहा कि पाकिस्तान एक कृषि प्रधान देश है। वह इस क्षेत्र में चीन की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना चाहते हैं। उन्होंने चीनी कंपनियों को पाकिस्तान के इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड ऑटो सेक्टर सहित अन्य क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

सीपीईसी कॉरिडोर का भारत करता है विरोध

सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ता है। भारत इसका विरोध कर रहा है क्योंकि इसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के माध्यम से बनाया जा रहा है।

चुनाव से पहले ट्रंप के सार्वजनिक बयानों पर रोक लगाने की मांग

अभियोजक ने लगाए झूठे दावे करने के आरोप

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बयानों की वजह से परेशानी में घिरते जा रहे हैं। उनकी मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। संघीय अभियोजकों ने शुक्रवार को गोपनीय दस्तावेजों के मामले की देखरेख कर रहे न्यायाधीश से ट्रंप को सार्वजनिक बयान देने से रोकने के लिए कहा। उनका कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति के बयान अभियोजन पक्ष में भाग लेने वाले कानून प्रवर्तन एजेंटों के लिए खतरा पैदा करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में दावा किया था कि अगस्त 2022 में उनके मार-ए-लागो एस्टेट की तलाशी लेने वाले एफबीआई एजेंट उन्हें गोली मारना चाहते थे। एजेंट उन्हें मारने और उनके परिवार को खतरे में डालने के लिए पूरी तरह तैयार थे। इस दावे के बाद अमेरिकी जिला न्यायाधीश एलेन कैनन से ट्रंप को बयान देने से रोकने का अनुरोध किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप अदालती दस्तावेजों का हवाला दे रहे थे। उनका कहना था कि एफबीआई ने तलाशी के दौरान मानक बल प्रयोग नीति का पालन किया। हालांकि, अभियोजकों ने कहा कि यह नीति नियमित है और इसका उद्देश्य तलाशी के दौरान बल प्रयोग को सीमित करना है। तलाशी जानबूझकर तब की गई जब ट्रंप और उनका परिवार बाहर थे और इसे सीक्रेट सर्विस के साथ समन्वयित किया गया था। कोई बल प्रयोग नहीं किया गया।

धमकियों, हिंसा और उत्पीड़न के जोखिम के बावजूद...

विशेष वकील जैक स्मिथ की टीम के अभियोजकों ने शुक्रवार देर रात अदालती दस्तावेजों में कहा कि ट्रंप के बयानों में यह झूठा दावा किया गया है कि संघीय एजेंट उनकी हत्या की साजिश में शामिल थे, जो कानून प्रवर्तन की पोल खोलता है। अभियोजकों ने कहा कि उनमें से कुछ को धमकियों, हिंसा और उत्पीड़न के जोखिम के बावजूद उनके मुकदमे में गवाह के रूप में बुलाया जाएगा।

तथ्यों को बार-बार गलत तरीके से पेश कर रहे

अभियोजकों ने कैनन से कहा, ट्रंप द्वारा तथ्यों को बार-बार गलत तरीके से प्रस्तुत करने से मामले की जांच और अभियोजन में शामिल कानून प्रवर्तन अधिकारियों को खतरा पैदा हो गया है और इन कार्यवाहियों की अखंडता को खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के बयानों पर रोक लगाना चाहिए। इससे वैध भाषण पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अभियोजकों ने कहा कि बचाव पक्ष के वकीलों ने सरकार के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। ट्रंप के एक वकील ने शुक्रवार रात तक इस पर कोई जवाब नहीं दिया था।

सीईओ से चार लाख डॉलर की धोखाधड़ी छिपाने के लिए शख्स ने कर दी उसकी हत्या!

अमेरिका का सनसनीखेज मामला

वॉशिंगटन। अमेरिका से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी सहायक पर अपने बॉस की बुरी तरह हत्या करने का मुकदमा चल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, निजी सहायक टायरिस हास्पिल के बचाव पक्ष का दावा है कि उसने अपने बॉस और टेक सीईओ फहीम सालेह से धोखाधड़ी से चार लाख डॉलर का गबन किया और उसके बाद अपराध को अंजाम दिया।

हास्पिल चोरी कर रहा था

रिपोर्ट में कहा गया है कि सालेह को पता चल गया था कि हास्पिल धोखाधड़ी से चोरी कर रहा है। उसने मामले को दबाना सही नहीं समझा और कार्रवाई की। इससे सालेह को हास्पिल से पैसे चुकाने की अनुमति मिल गई। उसने हास्पिल से पैसे चुकाने को कहा। हालांकि, सहायक लगातार कथित तौर पर चोरी करता रहा। इससे उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा।

हत्या की सोच-समझकर एक योजना बनाई

अभियोजकों का मानना है कि हास्पिल ने हत्या की सोच-समझकर एक योजना बनाई। पहले एक टेजर का इस्तेमाल किया। फिर शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। सबूत में एक सफाई उत्पाद टैग शामिल है जो हास्पिल द्वारा खरीदे गए एक टेजर से जुड़ा हुआ है और अपराध स्थल पर पाया गया है।

प्रेमिका को दिए उपहार

बचाव पक्ष लगातार यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि आरोपी का बचपन काफी दर्दनाक रहा है। हालांकि, इसपर अभियोजकों ने तर्क दिया है कि हास्पिल ने हत्या के कुछ दिनों बाद अपनी नई प्रेमिका को बहुत सारे उपहार दिए थे, जो चुराए गए धन से खरीदे गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, अगर हास्पिल का जुर्म साबित हो जाता है तो उसे आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। हालांकि, आरोपी का बचाव पक्ष इस कोशिश में लगा है कि वह भावानात्मक पहलू दिखाकर सजा थोड़ी कम करवा सके। मैनहट्टन की सहायक जिला अटॉर्नी लिंडा फोर्ड ने अदालत को बताया, श्इस अवधि में, वह न केवल हत्या करने की योजना बना रहा था, बल्कि इससे दूर हो गया था। अपराध को छिपाने के लिए, अपने कर्ज को कैसे मिटाया जाए और फहीम सालेह को आपराधिक कार्यवाही में गवाही देने से कैसे रोका जाए, इन सबकी योजना बना रहा था।'

ऐसे की हत्या

रिपोर्ट में कहा गया, हास्पिल ने खून के दाग साफ करने के लिए सफाई का सामान खरीदने के लिए सालेह के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया था। अभियोजकों ने जूरी को सालेह की हत्या कैसे की गई यह बताया। उन्होंने कहा कि मास्क पहने हास्पिल ने पहले सालेह को टेजर से मारा। एक दिन बाद उसके शरीर के टुकड़े करने से पहले उसे कई बार चाकू मारा। फिर सिर काट दिया। उन्होंने आगे बताया कि हास्पिल ने अपराध छिपाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी कोशिश नाकाम रही। वह सफाई के लिए एक एंटी-फेलन डिस्क लाया था, जिसका टैक हटाना भूल गया, जो बाद में घटनास्थल पर मिला था।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के सांसद की हत्या की साजिश महीनों पहले ढाका में रची गई थी : पुलिस

पश्चिम बंगाल सीआईडी के जांच अधिकारियों ने शुक्रवार को दावा किया कि बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या की साजिश कम से कम चार से पांच महीने पहले रची गई थी। पश्चिम बंगाल सीआईडी के एक अधिकारी ने दावा किया कि ढाका में कसाई को वारदात की साजिश में शामिल करने से लेकर 'हनीट्रैप' में फंसाने और इलाज के नाम पर राजनेता को

कोलकाता ले जाने तक का षड्यंत्र जनवरी में बांग्लादेश की राजधानी में रचा गया था। उन्होंने दावा किया कि एक अमेरिकी नागरिक एवं अनार का करीबी दोस्त संभवतरू कई बार ढाका गया था और उसने सांसद की हत्या की साजिश रचने के लिए अपने साथियों के साथ संपर्क में रहने के लिए 'फेसटाइम' और 'टेलीग्राम मैसेंजर' जैसे मंचों का इस्तेमाल किया था। अधिकारी ने दावा किया कि ऐसा लगता है कि अपराध को अंजाम देने में मदद करने के लिए कसाई को ''अवैध रूप से'' भारत लाया गया था। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से अनार के शरीर को टुकड़ों में काटा गया और फिर उनकी पहचान छिपाने के लिए उनकी खाल उतार दी गई, यह अकल्पनीय है। मांस और हड्डियों को अलग किया गया और फिर खून साफ करने के लिए उन्हें धोने से पहले छोटे टुकड़ों में काट दिया गया और फिर हल्दी पाउडर के साथ मिलाया गया और छोटे काले प्लास्टिक थैलों में भरा गया।'' उन्होंने कहा कि सांसद के शव को स्नानघर के अंदर ले जाया गया जहां आरोपियों ने उसके टुकड़े किए। अधिकारी ने कहा, फिर स्नानघर को पानी और साबुन का उपयोग करके बार-बार साफ किया गया। खून के धब्बे हटाने के लिए पूरे फ्लैट को भी धोया गया।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इलाज के बाद फिर से काम शुरू किया

पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने एक बयान में कहा है कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने 'वाल्टर रीड राष्ट्रीय सैन्य चिकित्सा केंद्र' में इलाज कराने के बाद फिर से अपना काम शुरू कर दिया है। इलाज के दौरान उन्होंने अपने अधीनस्थ (उप रक्षा मंत्री) को अस्थायी रूप से कार्यभार सौंपा था। राइडर ने कहा कि ऑस्टिन दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के बाद मूत्राशय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रेस सचिव ने कहा कि ऑस्टिल शुक्रवार शाम जिस उपचार प्रक्रिया से गुजरे वह सफल रही और यह उनके कैंसर निदान से संबंधित नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस उपचार का उनके कैंसर से मुक्त होने की उत्कृष्ट संभावना पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। पेंटागन ने कहा कि अस्वस्थ रहने के कारण ऑस्टिन ने लगभग ढाई घंटे के लिए उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को पदभार हस्तांतरित किया था। चिकित्सा प्रक्रिया के बाद पेंटागन प्रमुख घर लौट आए। राइडर ने कहा, ''इस समय तक उनके आधिकारिक कार्यक्रम में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है, जिसमें निर्धारित स्मृति दिवस कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी शामिल है।'' 70 वर्षीय ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर के निदान के लिए सर्जरी कराने के बाद से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रह है। प्रोस्टेटक्टोमी की जटिलताओं के बाद उन्होंने दो सप्ताह अस्पताल में बिताए। अपने उपचार या अस्पताल में भर्ती होने के बारे में राष्ट्रपति या संसद को तुरंत सूचित नहीं करने के कारण तब ऑस्टिन की आलोचना की गयी थी। फरवरी में मूत्राशय की समस्या होने की वजह से ऑस्टिन को वापस वाल्टर रीड ले जाया गया और दूसरी बार गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया। इस दौरान उन्हें सामान्य एनेस्थीसिया (बेहोशी) के तहत एक गैर-सर्जिकल प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। राइडर ने कहा कि पेंटागन ने व्हाइट हाउस और संसद को सूचित कर दिया है।

गोलीबारी में बच्चों को खोने का मंजर नहीं भूले परिवार, बंदूक निर्माता-इंस्टाग्राम के खिलाफ केस

वॉशिंगटन। अमेरिका में गोलीबारी होना आम हो गया है। लेकिन टेक्सास के एक स्कूल में करीब दो साल पहले हुई गोलीबारी की घटना आज भी सभी के जहन में हैं। एक प्राथमिक विद्यालय में 18 साल के युवक ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर 21 लोगों की जान ले ली थी। हालांकि, पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में हमलावर को भी मार गिराया था। कई परिवार हैं, जो आज भी अपने बच्चों के जाने के गम में डूबे हैं। अब इस मामले में एक नया मोड़ आया है। जिन परिवारों ने अपने बच्चे खोए थे या घायल हुए थे, उन्होंने बंदूक बनाने वालों के साथ-साथ इंस्टाग्राम और वीडियो गेम कंपनी एक्टिविजन पर हथियार को बढ़ावा देने के लिए मुकदमा दायर किया है। 24 मई 2022 की घटना का खौफनाक मंजर लोगों को अब तक सिहरा रहा है। दरअसल, स्कूल में बंदूक लेकर घुसने की पुलिस को सूचना साढ़े 11 बजे मिल गई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।